RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 192 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 07-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा पर राहुल गांधी के उपदेश की जरूरत नहीं : अनुराग ठाकुर
6 डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया
7 मेरे कैरियर में मेरा धर्म कभी बाधा नहीं बना : जोया अफरोज

फर्स्ट टेक

भारत ने 'अग्नि-3' मिसाइल का सफल परीक्षण किया

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। छह फरवरी (भाषा) भारत ने शुक्रवार को ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का सफल परीक्षण किया। मिसाइल की मारक क्षमता 3,000 किलोमीटर तक है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को सामरिक बल कमान (एसएफसी) के जवानों ने एक 'मोबाइल लॉन्चर' से प्रक्षेपित किया। अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल को 'निर्माण लॉट' से यादृच्छिक रूप से चयनित गया और उसका परीक्षण किया गया। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के सूत्रों ने बताया कि मिसाइल ने मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया और सभी परिचालन एवं तकनीकी मानदंडों को सही पाया गया।

रूस के सैन्य खुफिया विभाग के उप प्रमुख को मॉस्को में गोली मारी गई

मॉस्को/एपी। रूस की राजधानी मॉस्को में एक अज्ञात हमलावर ने सैन्य खुफिया विभाग के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर एलेक्सेव को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव (64) पर हमले की यह घटना रूस के कई वरिष्ठ सैन्य एवं खुफिया अधिकारियों की हत्या के बाद सामने आई है, जिनके लिए मॉस्को ने यूक्रेन को दोषी ठहराया है। जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने एक बयान में कहा कि मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक अपार्टमेंट में एक अज्ञात हमलावर ने लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव को कई गोलियां लगी हैं और उनका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

फिलीपीन में तूफान से हजारों विस्थापित

कैगायन डी ओरो (फिलीपीन)/एपी। दक्षिणी फिलीपीन में आए एक उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 6,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उष्णकटिबंधीय तूफान 'पेन्हा' ने बृहस्पतिवार देर रात प्रशांत महासागर से होते हुए दक्षिण-पूर्वी सुरिगाओ डेल सुर प्रांत में कहर ढाया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर के आसपास यह तूफान मध्य बोहोल प्रांत के तट के पास स्थित था, जहां इसकी अधिकतम निरंतर गति 55 किलोमीटर प्रति घंटा और हवा की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई।

07-02-2026 सूर्यास्त 6:23 बजे	08-02-2026 सूर्योदय 6:44 बजे
BSE 83,580.40 (+266.47)	NSE 25,693.70 (+50.90)
सोना 15,827 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 240,932 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चयनकर्ता

जो खुद चुनाव ना लड़ सकते,
वे बने चयन के अधिकारी।
दागी दोषी हों भले मगर,
दल रहते उनके आभारी।
धनबल भुजबल या छलबल के,
होते जो अतुलित बलधारी।
दल जीते जिन षड़यंत्रों से
उन यंत्रों के वे व्यापारी।।

अंकों पर नहीं बल्कि जीवन बेहतर बनाने पर ध्यान दें विद्यार्थी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को छात्रों को सलाह दी कि वे देश में डेटा सस्ता होने के कारण इंटरनेट पर समय बर्बाद न करें और अपने जीवन और शैक्षिक कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करें।

मोदी ने 'प्रधानमंत्री के साथ परीक्षा पे चर्चा 2026' के नौवें संस्करण के दौरान छात्रों से बातचीत करते हुए कहा कि पढ़ाई बोझ नहीं होनी चाहिए और सभी को इसमें पूरी तरह से शामिल होना चाहिए क्योंकि आधे-अधूरे मन से की गई पढ़ाई जीवन को सफल नहीं बनाती। उन्होंने यहां अपने आवास पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों के एक समूह से कहा, ''शिक्षा मजबूरी नहीं होनी चाहिए। शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए। हमारी पूरी तल्लीनता चाहिए। अगर पूरी तल्लीनता से पढ़ाई नहीं की है, तो फिर आधी-अधूरी शिक्षा, जीवन को कहीं सफल नहीं बनने देती।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''अंकों पर ध्यान देने के बजाय सभी को इस पर ध्यान देना चाहिए कि वे जीवन में कहां पहुंचे हैं। आपके माता-पिता, शिक्षक या साथी क्या कहते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता, खुद पर भरोसा रखिए और अपने सामने आने वाले सभी सुझावों पर विचार करते हुए अपने हिसाब से चलिए।''

- पढ़ाई पूरी तल्लीनता से करें, अपनी कार्यशैली पहचानें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।
- सस्ते डेटा और गेमिंग में समय बर्बाद न करें, इंटरनेट का उपयोग आत्म-विकास और सीखने के लिए करें।

मोदी ने भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित गेम बनाने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गेमिंग केवल रुचि नहीं, बल्कि कौशल भी है और स्कूली बच्चों को भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कहानियों पर आधारित गेम विकसित करने चाहिए, लेकिन डेटा सस्ता होने की वजह से केवल मस्ती के लिए गेमिंग नहीं करनी चाहिए। वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान स्कूली छात्रों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि ध्यान, संतुलन और नैतिक मूल्यों के साथ अपनाया जाए, तो गेमिंग एक उपयोगी कौशल और करियर का रास्ता बन सकता है। हालांकि, उन्होंने छात्रों को ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े खेलों से दूर रहने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, ''गेमिंग में गति होती है।

आलाकमान का स्पष्ट संकेत, नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा : यतींद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/भाषा। कांग्रेस नेता यतींद्र सिद्धरामय्या ने शुक्रवार को दावा किया कि पार्टी आलाकमान ने स्पष्ट संकेत दिया है कि राज्य में नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा और उनके पिता सिद्धरामय्या पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर बदलाव का मुद्दा सुलझ चुका है और आलाकमान ने अब तक परिवर्तन की मांगों को स्वीकार नहीं किया है।

मुख्यमंत्री के बेटे के दावों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा, ''यतींद्र हमारे आलाकमान हैं, आइए हम उनकी बातों को बहुत सम्मानपूर्वक स्वीकार करें।'' उन्होंने मंगलुरु में पत्रकारों से कहा, ''एक बार जब उन्होंने (यतींद्र) कह दिया, तो यह ऐसा है, जैसे आलाकमान ने कह दिया हो। चलिए यतींद्र को ही आलाकमान मान लेते हैं...मैं यतींद्र या बसवराज (कांग्रेस विधायक वी बसवराज) पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। अगर किसी को प्रतिक्रिया देनी है, तो हमारे दिल्ली के नेताओं को प्रतिक्रिया देनी होगी।''

प्रदेश की कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर, 2025 को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा सफर तय करने के साथ मुख्यमंत्री पद पर बदलाव की अटकलें लगने लगीं। वर्ष 2023 में सरकार के गठन के समय सिद्धरामय्या और शिवकुमार के बीच कथित ''सत्ता-साझाकरण'' व्यवस्था से इन अटकलों को और हवा मिली।

नेतृत्व परिवर्तन से संबंधित एक प्रश्न पर यतींद्र ने पत्रकारों से कहा, ''मीडिया के अलावा राजनीतिक हलकों में इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही। यह मुद्दा सुलझ चुका है। अभी ध्यान देने योग्य कई मुद्दे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बजट पेश होने वाला है। वित्तीय स्थिति ऐसी है कि हमें पहले की तरह राजस्व नहीं मिल रहा। केंद्र सरकार राज्य को उसके हिस्से का कोष ठीक से नहीं दे रही है। इसलिए हमें इस पर ध्यान देना होगा।'' नेतृत्व के मुद्दे पर किसी भी तरह का कोई भ्रम न होने का जिक्र करते हुए विधान परिषद के सदस्य यतींद्र ने कहा, ''मेरे अनुसार, आलाकमान ने भले खुलकर कुछ न कहा हो, लेकिन उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। इसलिए मेरा मानना है कि सिद्धरामय्या पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।''

सूर्यवंशी की यादगार पारी

भारत ने रिकॉर्ड छठी ट्रॉफी जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरारे/भाषा। क्रिकेट के नए 'वंडरकिड' वैभव सूर्यवंशी (175 रन, 80 गेंद, 15 छक्के) ने अंडर-19 विश्व कप के इतिहास की शायद सबसे प्रभावशाली पारी खेली जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर छठा खिताब अपने नाम किया। दिलचस्प बात है कि भारत ने पिछली बार 2022 में वेस्टइंडीज में इंग्लैंड को हराकर ही खिताब जीता था। भारत ने इससे पहले 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में आईसीसी ट्रॉफी जीती थी जो टूर्नामेंट के इतिहास में देश के दबदबे को दिखाता है। दसवीं बार फाइनल में पहुंची भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए सूर्यवंशी के शतक से नौ विकेट पर 411 रन का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। चौदह साल के सूर्यवंशी ने यादगार पारी खेली और महज 55 गेंद में तीन अंक का आंकड़ा छूकर इस टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

नायडू ने 'तिरुपति लड्डू' बनाने के लिए मिलावटी घी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया

कलुगोटला (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को 'तिरुपति लड्डू' बनाने के लिए आपूर्ति किए गए घी में शौचालय साफ करने में इस्तेमाल होने वाली रासायनिक सामग्री की मिलावट थी।

कुरनूल जिले के कलुगोटला गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने मिलावटी प्रसाद के माध्यम से भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान श्रीशैलम को आपूर्ति किए गए घी में भी मिलावट की गई थी। येम्मिगनूर निर्वाचन क्षेत्र में पट्टादार पासबुक (भूमि दस्तावेज) वितरण कार्यक्रम के इतर नायडू ने दावा किया।

स्कूलों में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता जरूरी : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- डिजिटल और वित्तीय साक्षरता को शिक्षा का हिस्सा बनाकर ही साइबर धोखाधड़ी, गलत सूचना और तकनीकी दुरुपयोग से प्रभावी बचाव संभव है।

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशभर में साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर शुक्रवार को चिंता व्यक्त की और लोगों में डिजिटल उपकरणों के बारे में जागरूकता पैदा करने और स्कूली पाठ्यक्रम में डिजिटल तथा वित्तीय साक्षरता को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुर्मू ने यहां ओडिशा सरकार द्वारा 'ग्लोबल फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी नेटवर्क' (जीएफटीएन) के सहयोग से आयोजित 'ब्लैक स्वान समिट' में कहा कि प्रौद्योगिकी में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों और समाज के सभी वर्गों पर सकारात्मक प्रभाव डालने की अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि हालांकि कभी-कभी इसका दुरुपयोग वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जा सकता है, जिससे लोगों को अपनी जीवनभर की कमाई खोनी पड़ जाती है और उन्हें उच्च स्तर की मानसिक और सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रपति ने कहा, ''इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सतर्क और सावधान रहने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए डिजिटल और वित्तीय साक्षरता सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसे स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए ताकि कम उम्र में ही प्रौद्योगिकी के फायदे और नुकसान को समझा जा सके।

मुर्मू ने कहा कि केंद्र ने डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर लगाम लगाने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं, जिनमें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग एवं प्रबंधन प्रणाली और साइबर धोखाधड़ी निवारण केंद्र की स्थापना शामिल है।

राष्ट्रपति ने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे लोगों के बीच डिजिटल और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा, ''हम ऐसे युग में जी रहे हैं जब प्रौद्योगिकी अभूतपूर्व गति से विकसित हो रही है। नये आविष्कार इतनी तेजी से सामने आते हैं कि हमारी प्रणालियां, कौशल और व्यावसायिक मॉडल अक्सर उनके साथ तालमेल बैठाने में संघर्ष करते हैं।

अर्थव्यवस्था 'गोल्डीलॉक्स' से भी बेहतर : आरबीआई गवर्नर

रेपो दर 5.25% पर स्थिर, सस्ती ब्याज दरों के संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा और अपना रुख 'तटस्थ' बनाए रखा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय 'गोल्डीलॉक्स' स्थिति से भी बेहतर दौर में है, जहां वृद्धि मजबूत है और मुद्रास्फीति नियंत्रण में बनी हुई है।

गवर्नर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में आर्थिक परिदृश्य और सुदृढ़ हुआ है। महंगाई संतोषजनक स्तर पर है और कीमतों के दीर्घकालिक रुख में नरमी देखी जा रही है। इसी कारण मौजूदा नीतिगत दर को उपयुक्त बताते हुए उन्होंने संकेत दिया कि ब्याज दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर रह सकती हैं और आगे चलकर इनमें और कटौती की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, हालांकि अंतिम निर्णय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) करेगी।

आरबीआई ने बताया कि फरवरी 2025 से अब तक रेपो दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है, जिससे अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला है। जमा दरों पर नीतिगत बदलावों का असर अपेक्षाकृत धीमी गति से पड़ रहा है और सावधि जमा पर ब्याज दरों में आगे कुछ कमी संभव है। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ हुए व्यापार समझौतों को भी आरबीआई ने सकारात्मक बताया। इन समझौतों से बाजारों पर दबाव कम हुआ है और निवेश धारणा मजबूत हुई है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, व्यापार समझौतों सहित विभिन्न कारणों से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में करीब 0.20 प्रतिशत का अतिरिक्त योगदान संभव है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में

शिया मस्जिद पर आत्मघाती हमले में 31 लोगों की मौत, 169 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

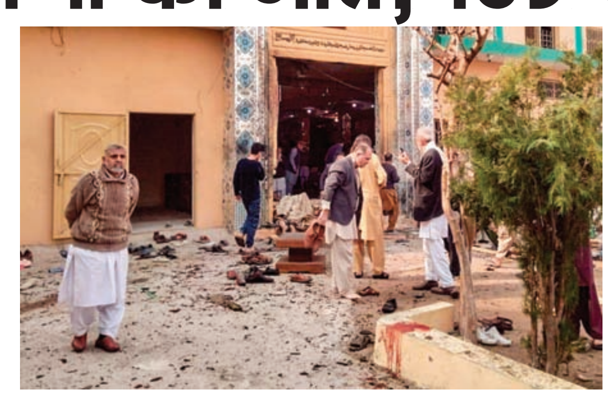

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की राजधानी में शुक्रवार की नमाज के दौरान शिया समुदाय की मस्जिद में आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह हमला हाल के वर्षों में शिया समुदाय को निशाना बनाकर किए गए सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक है।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह भीषण विस्फोट इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खदीजातुल कुबरा मस्जिद-सह-इमामबाड़ा में हुआ। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आत्मघाती हमलावर को इमामबाड़ा के द्वार पर रोक लिया गया था, लेकिन उसने खुद को विस्फोट में उड़ा लिया। इस्लामाबाद के उपायुक्त इरफान नवाज मेमन ने पुष्टि की है कि कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 अन्य घायल हुए- जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। फिलहाल किसी भी समूह ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र (आईसीटी) के पुलिस प्रवक्ता ताकी जवाद ने बताया कि विस्फोट में मारे गए लोगों में इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) सैयद अली नासिर रिजवी का एक चचेरा भाई भी शामिल था, जबकि पुलिस प्रमुख का एक अन्य रिश्तेदार घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का हवाला देते हुए 'जियो न्यूज' ने बताया कि आतंकवादी ने पहले गोलीबारी की और फिर खुद को उड़ा लिया।

बचाव टीम और पुलिस हमले वाली जगह पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कुछ घायल गंभीर हालत में हैं। राजधानी के अस्पतालों में आपात स्थिति घोषित कर दी गई। सेना के जवानों और रेंजर्स ने इलाके को घेर लिया और विस्फोट स्थल के आसपास सुरक्षा अभियान चलाए जा रहे हैं।

यह हमला ऐसे समय हुआ, जब उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वह बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर पहुंचे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सीनेट में विपक्ष के नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने इस हमले की निंदा की। शहबाज ने गृह मंत्री मोहसिन नकवी को घटना की गहन जांच करने, दोषियों की पहचान करने और उन्हें तुरंत न्याय के कटघरे में लाने का निर्देश दिया।

प्रमुख शिया नेता अब्बास ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना मानवता, धर्म और सामाजिक मूल्यों पर सीधा हमला है, जिसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

हिंदुस्तान जिंक, जेएनसीएएसआर ने जिंक-आयन बैटरी प्रोटोटाइप विकसित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर) के सहयोग से बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण के लिए 'जिंक-आयन बैटरी पाउच सेल प्रोटोटाइप' विकसित किया है।

कंपनी के अनुसार, यह विकास ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों में भारत के स्वदेशी अनुसंधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान में कहा गया कि जस्ता (जिंक) संसाधनों की प्रचुरता, कम लागत और व्यापक उपलब्धता के कारण जिंक-आयन बैटरियां स्थिर ऊर्जा भंडारण के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही हैं।

हिंदुस्तान जिंक ने कहा कि हालांकि बैटरी का लंबा जीवन चक्र और उच्च ऊर्जा घनत्व प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रोड और इलेक्ट्रोलाइट सामग्रियों को बेहतर बनाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, लेकिन जेएनसीएएसआर के साथ यह साझेदारी कम लागत वाले इलेक्ट्रोलाइट फॉर्मूलेशन और स्थिर जिंक-आयन बैटरी प्रोटोटाइप विकसित करके इस समस्या का समाधान कर रही है। ये प्रोटोटाइप बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए उपयुक्त हैं। ये प्रगति सुरक्षित और कुशलतापूर्वक अक्षय ऊर्जा भंडारण को समर्थन देने के लिए जिंक-आयन बैटरियों की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

नतीजों और इस विकास पर टिप्पणी करते हुए हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और पूर्णकालिक निदेशक अरुण मिश्रा ने कहा, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च के साथ हमारी साझेदारी सुरक्षित, लागत प्रभावी और बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण समाधान उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो अक्षय ऊर्जा के बढ़ते एकीकरण में सहायक हो सकते हैं।

केंद्रीय बजट विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का खाका : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि एक फरवरी को पेश केंद्रीय बजट में विकसित भारत की परिकल्पना की गई है, जो वर्ष 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूरे होने के साथ साकार होगी।

जोशी ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह बजट अगले पच्चीस वर्षों की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में भारत 'पांच शीर्ष कमजोर' अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था, जो विकास के लिए विदेशी पूंजी पर अत्यधिक निर्भर था। लेकिन अब देश 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जोशी ने बजट पर टिप्पणी करते हुए कहा, ''विश्व व्यवस्था में बदलाव आएगा और भारत उसमें अग्रणी भूमिका निभाएगा। हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को उनके हिस्से की राशि समय पर जारी की है और बजट भाषण मुख्य रूप से भविष्य उन्मुख कार्यक्रमों और दीर्घकालिक योजनाओं पर केंद्रित है। जोशी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बिजली और इंटरनेट जैसी परिवर्तनकारी क्रांति बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने एआई मिशन की घोषणा की है और इसके लिए बजटीय सहायता भी आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के लंबे दौर के बावजूद देश में महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं थी। इस कमी को दूर करने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने दुलर्भ खनिज मिशन शुरू किया है, जो सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को समर्थन देगा।

आप नेता लक्की ओबेरॉय की जालंधर में गोली मारकर हत्या, विपक्ष ने मान सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के जालंधर में मॉडल टाउन स्थित एक गुरुद्वारे के बाहर अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता लक्की ओबेरॉय की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

जालंधर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने फोन पर बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई जब 43 वर्षीय ओबेरॉय अपनी एसयूवी में गुरुद्वारे से निकल रहे थे। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि जब ओबेरॉय गुरुद्वारे से बाहर आए और अपनी गाड़ी में बैठे तो काले रंग की 'हुडी जैकेट' पहने एक हमलावर पैदल ही उनके पास आया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और अपने साथी के साथ भाग गया जो थोड़ी दूरी पर स्कूटर पर उनका इंतजार कर रहा था।

सहायक पुलिस आयुक्त (जालंधर) परमिंदर सिंह ने फोन पर बताया कि ओबेरॉय पर कई गोलियां चलायी गयीं और उन्हें अचेत अवस्था में एक अस्पताल ले जाया गया लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। गोलीबारी की घटना में ओबेरॉय की एसयूवी और वहां खड़ी एक अन्य गाड़ी के शीशे टूट गए। सतविंदरपाल सिंह उर्फ लक्की ओबेरॉय जालंधर स्थित आम आदमी पार्टी के नेता थे, जो जालंधर कैंट के एक वार्ड के प्रभारी थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हमलावरों ने ओबेरॉय की गतिविधियों की रेकी की होगी। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और हमलावरों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है, जिसमें व्यक्तिगत दुश्मनी का पहलू भी शामिल है। ओबेरॉय को जिस निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां के एक चिकित्सक ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें सुबह करीब 8:10 बजे अस्पताल लाया गया था।

एजीआर बकाया पर एयरटेल ने वोडाफोन आइडिया के समान राहत की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। भारती एयरटेल ने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया के मामले में वोडाफोन आइडिया को दी गई राहत के समान ही अपने लिए भी 'बराबरी के व्यवहार' की मांग की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

कंपनी के वित्तीय नतीजों पर चर्चा के दौरान भारती एयरटेल के कार्यकारी वाइस चेयरमैन गोपाल विट्ठल ने कहा कि कंपनी ने इस संबंध में दूरसंचार विभाग (डीओटी) को पत्र लिखा है और उनके जवाब का इंतजार कर रही है।

विट्ठल ने कहा, हमने दूरसंचार विभाग को कुछ पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है और मूल रूप से एजीआर बकाया के मामले में समान व्यवहार का अनुरोध किया है। हमें अभी विभाग से जवाब मिलना बाकी है। विभाग की प्रतिक्रिया मिलने के बाद हम अपने अगले कदमों पर निर्णय लेंगे।

कृषि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तकनीक का उपयोग कर रही सरकार: चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा में कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तकनीक का इस्तेमाल कर रही है और 19 राज्यों में 8.48 करोड़ किसानों को 'डिजिटल आईडी' दी जा चुकी है।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए चौहान ने डिजिटल अवसंरचना का लाभ नहीं उठाने के लिए पूर्ववर्ती संप्रग सरकार की आलोचना की। उन्होंने कृषि क्षेत्र में शुरू की गई तकनीकी पहल का जिक्र करते हुए कहा, हम बड़े पैमाने पर कृषि क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछली सरकार कागजी कार्रवाई करती थी, हम तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 'एग्रीस्टैक' नामक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के तहत सरकार प्रत्येक किसान के लिए किसान पहचान पत्र बना रही है, जिसमें भूमि रिकॉर्ड और परिवार के सदस्यों का विवरण दर्ज होगा। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित 19 राज्यों में 8.48 करोड़ किसान पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि गोवा, सिक्किम और जम्मू कश्मीर में किसानों का पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा। चौहान ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, अंडमान निकोबार, मिजोरम, मेघालय, नगालैंड, पुडुचेरी, लद्दाख और झारखंड में भूमि विवरण के डिजिटल रिकॉर्ड के अभाव में किसान पहचान पत्र (आईडी) तैयार नहीं किए जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र इन राज्यों को भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण के लिए सहायता प्रदान कर रहा है।

पश्चिमी दिल्ली में जल बोर्ड के 15 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से मोटरसाइकिल सवार की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण कार्य के लिए खोदे गए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के 15 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने शुक्रवार को बताया कि घटना के सिलसिले में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है। वर्मा ने बताया कि परियोजना पर काम करने वाली कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जल बोर्ड पीड़ित परिवार को मुआवजा देगा। घटना की सूचना शुक्रवार को मिलने के बाद जल मंत्री ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया। सिंह ने पत्रकारों को बताया, ''हम तीन अधिकारियों - कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को निलंबित कर रहे हैं। इन तीनों अधिकारियों का कर्तव्य था कि वे यहां जारी काम की प्रगति की निगरानी करते।'' उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों से निर्माण स्थल पर काम जारी है लेकिन गड्ढा बृहस्पतिवार को खोदा गया था। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान कैलाशपुरी निवासी कमल भयानी (25) के रूप में हुई है, जो एक निजी बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। दिल्ली सरकार ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 14.36 अरब डॉलर बढ़कर 723.77 अरब डॉलर के नये उच्चस्तर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान 14.36 अरब डॉलर बढ़कर 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 8.05 अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। इससे भी पहले सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचा था।

केन्द्रीय बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 562.39 अरब डॉलर रह गईं।

डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्य वृद्धि या मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल होते हैं।

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 14.59 अरब डॉलर बढ़कर 137.68 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.95 अरब डॉलर हो गया आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 4.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.74 अरब डॉलर हो गई।

सुनेत्रा पवार को राकांपा अध्यक्ष का पदभार संभालना चाहिए : छगन भुजबल

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने शुक्रवार को कहा कि उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को राकांपा अध्यक्ष का पदभार संभालना चाहिए।

राकांपा अध्यक्ष का पद 28 जनवरी को बारामती में एक विमान हादसे में अजित पवार की मौत के बाद खाली हो गया था। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री भुजबल ने संवाददाताओं से कहा कि जब सुनेत्रा पवार मुंबई आएंगी, तो वह उनसे मिलकर पार्टी अध्यक्ष का पदभार संभालने का अनुरोध स्वीकार करने का आग्रह करेंगे। भुजबल ने जोर दिया कि सुनेत्रा से सलाह-मशिवरा करने के बाद ही सभी फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राकांपा विधायक दल की नेता के रूप में सुनेत्रा का चुनाव भी एक सामूहिक निर्णय था, न कि किसी विशेष नेता या नेताओं का।

फलों के परिवहन के लिए समर्पित रेल गलियारा बनाया जाए : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर से देश के अन्य हिस्सों तक बागवानी उत्पादों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित रेल गलियारा बनाने की शुक्रवार को मांग की। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में महबूबा मुफ्ती ने घाटी से देश के अन्य हिस्सों तक फलों को पहुंचाने के लिए एक समर्पित रेल लाइन की मांग की।

महबूबा मुफ्ती ने फल बगानों से होकर गुजरने वाली रेल परियोजनाओं को रोकने के लिए भी उन्हें धन्यवाद दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री को लिखे पत्र की प्रति सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की। इसमें उन्होंने लिखा है, ''किसान रेल संपर्क के विरोधी नहीं हैं। इसके विपरीत, एक विश्वसनीय रेल नेटवर्क के माध्यम से विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग की अनिश्चितता और बार-बार होने वाली बाधाओं को देखते हुए एक समर्पित फल गलियारे की तत्काल आवश्यकता है।''

महबूबा मुफ्ती ने जम्मू से चिनाब घाटी और पीर पंजाल क्षेत्र तक रेल संपर्क की भी मांग की। पीडीपी प्रमुख ने कश्मीर घाटी में प्रस्तावित तीन रेलवे परियोजनाओं को स्थगित करने के फैसले की भी सराहना की।

स्वर्ण ऋण में उच्च वृद्धि के बावजूद चिंता की कोई बात नहीं : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सोने की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि वह वित्तीय प्रणाली में कीमती धातु के बदले दिए जाने वाले कर्ज (स्वर्ण ऋण) को लेकर पूरी तरह सहज है और इसे लेकर कोई चिंता नहीं है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय बैंक ने स्वर्ण ऋण सहित कुछ अन्य ऋणों की समीक्षा की है और इस निष्कर्ष पर पहुंचा है।

मल्होत्रा ने कहा, ''स्वर्ण ऋण को लेकर हम बहुत सहज हैं। इस परिसंपत्ति वर्ग को लेकर चिंता का कोई कारण नहीं है।'' नवंबर 2025 तक के दो वर्षों में पूरी वित्तीय प्रणाली में कुल स्वर्ण ऋण बकाया लगभग दोगुना हो गया है, क्योंकि सोने की कीमतों में उछाल ने ऋणदाताओं को अधिक सहज बना दिया। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में इस जिंस की कीमतों में तेज गिरावट ने चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि कर्जदार अपने दायित्वों को निभाने में चूक कर सकते हैं। मल्होत्रा ने कहा कि स्वर्ण ऋण क्षेत्र में ऋण-मूल्य (एलटीवी) अनुपात, जो सुरक्षा के बदले उधारकर्ताओं को दी जाने वाली राशि को दर्शाता है, पूरे उद्योग में निर्धारित मानदंडों से काफी कम है। उन्होंने कहा कि 85 प्रतिशत तक की सीमा के मुकाबले, वित्तपोषक एलटीवी अनुपात को बहुत छोटे स्तर पर रख रहे हैं, जिससे ऋण बही संबंधी चिंताओं को दूर करने में मदद मिली है। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि स्वर्ण ऋण के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण और व्यक्तिगत ऋण की भी समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा, ''सभी श्रेणियां अच्छी संपत्ति गुणवत्ता और कम गिरावट दिखाती हैं, और किसी भी चिंता का कोई कारण नहीं है।''

आरबीआई यूपीआई को टिकाऊ बनाने, बुनियादी ढांचे में सुधार के तरीके खोजेगा : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक लोकप्रिय भुगतान मंच यूपीआई को हितधारकों के लिए टिकाऊ बनाने और इसके बुनियादी ढांचे में सुधार सुनिश्चित करने के तरीके खोजेगा।

दिल्ली में मोटरसाइकिल सवार का असली कातिल गैरजिम्मेदार सत्ता है : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत पर शुक्रवार को दुख जताया और आरोप लगाया कि असली कातिल गैरज़िम्मेदार सत्ता है, क्योंकि ऐसे मामलों में न इस्तीफ़ा होता है, न सज़ा मिलती है और न किसी की अंतरात्मा जागती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जवाबदेही नहीं होगी, तब तक कोई न कोई ''लालच की महामारी'' का अगला शिकार बनता रहेगा। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण कार्य के लिए खोदे गए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के 15 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान कैलाशपुरी निवासी कमल भयानी (25) के रूप में हुई है, जो एक निजी बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हिंदुस्तान में फैली लालच और लापरवाही की महामारी आज फिर एक युवा की जान ले गई। एक बेटा, एक सपना, मां-बाप की पूरी दुनिया, सब कुछ एक झटके में उजाड़ दिया गया। यह हादसा नहीं, हत्या है और हत्यारी है जवाबदेही से भागती सत्ता।'' उन्होंने आरोप लगाया कि असली क़ातिल सड़क नहीं, गैरज़िम्मेदार सत्ता है, क्योंकि यहां न इस्तीफ़ा होता है, न सज़ा मिलती है, न किसी की अंतरात्मा जागती है।

महिला को गर्भ जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता: शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने 17-वर्षीय लड़की के 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय तौर पर समाप्त करने का निर्देश देते हुए शुक्रवार को कहा कि अदालतें किसी महिला, खासकर नाबालिग को, गर्भ जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकतीं।

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि लड़की पड़ोस के एक लड़के के साथ संबंध में थी और इसी दौरान वह गर्भवती हो गई थी और उसने चिकित्सकीय रूप से अपनी गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने का अदालत से आग्रह किया है। पीठ ने मुंबई के जेजे अस्पताल को नाबालिग की गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने का निर्देश दिया, साथ ही यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि सभी आवश्यक चिकित्सा सुरक्षा उपायों का पालन किया जाए। पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने इस तथ्य पर विचार किया था कि नाबालिग बच्ची को गर्भावस्था जारी रखने का अधिकार है, लेकिन यह गर्भ ''अवैध'' था, क्योंकि स्वयं बच्ची नाबालिग है और एक रिश्ते से उत्पन्न दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति के कारण गर्भ धारण कर चुकी है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मुद्दा यह नहीं है कि संबंध सहमति से बनाया गया था या यह यौन उत्पीड़न का परिणाम था। न्यायालय ने अस्पताल के चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर ध्यान दिया कि यदि बच्चे को पूर्ण अवधि के बाद जन्म देने की अनुमति दी जाती है तो बच्चे और मां के जीवन को कोई खतरा नहीं है। पीठ ने कहा, ''यदि मां के हितों को ध्यान में रखना है, तो उसकी प्रजनन स्वायत्तता पर पर्याप्त जोर दिया जाना चाहिए। अदालत किसी भी महिला, विशेषकर नाबालिग बच्ची को, गर्भावस्था पूरी करने के लिए बाध्य नहीं कर सकती, यदि वह ऐसा करने का इरादा नहीं रखती है।'' इसमें कहा कि यद्यपि बच्चे का जन्म अंततः एक जीवन की शुरुआत है, लेकिन वर्तमान मामले में निर्णायक कारक नाबालिग की गर्भावस्था को जारी रखने की स्पष्ट और लगातार अनिच्छा है। पीठ ने टिप्पणी की, ''एक और सवाल है; अगर वह (नाबालिग) 24 सप्ताह का गर्भ समाप्त करा सकती है, तो 30 सप्ताह का क्यों नहीं? आखिरकार, वह गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती। मूल बात यह है कि वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती, यही मुश्किल है।'' शीर्ष अदालत ने कहा वह अस्पताल के हित में आदेश का मुख्य हिस्सा जारी करेगी, जबकि विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा।

बच्चों के खिलाफ अपराधों पर काबू के लिए हर जिले में त्वरित अदालत की आवश्यकता : स्वाति मालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने शुक्रवार को यौन अपराधों से बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए जल्दी सुनवाई की खातिर देश के हर जिले में त्वरित अदालत स्थापित करने की मांग की।

उच्च सदन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की फौजिया खान के निजी विधेयक (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2024) पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए मालीवाल ने पुलिस के लिए संसाधन बढ़ाने और उनकी जवाबदेही तय करने की भी मांग की। यौन हिंसा के पीड़ितों के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मामलों के निपटारे में बहुत समय लगता है और अदालतों में पाक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज तीन लाख से अधिक मामले लंबित हैं। मालीवाल ने कहा, हर जिले में त्वरित अदालत नहीं हैं और जहां हैं भी, वहां न्याय की प्रक्रिया तेज नहीं है। महिलाओं और बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के उपायों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, हर जिले में फास्ट ट्रैक (त्वरित) अदालत होनी चाहिए और उन्हें त्वरित तरीके से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में आधुनिक फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वे प्रयोगशालाएं खराब स्थिति में हैं और वर्षों से नमूने उन प्रयोगशालाओं में बेकार पड़े हुए हैं। मालीवाल ने कहा, यदि फोरेंसिक नमूने समय पर उपलब्ध कराए जाएं, तो अदालतों में मामलों की सुनवाई में तेजी आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक चलने वाले मुकदमों से बलात्कार पीड़ितों की अपने मामलों को लड़ने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल पुलिस और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, इसके लिए कानून का ईमानदारी से पालन जरूरी है।

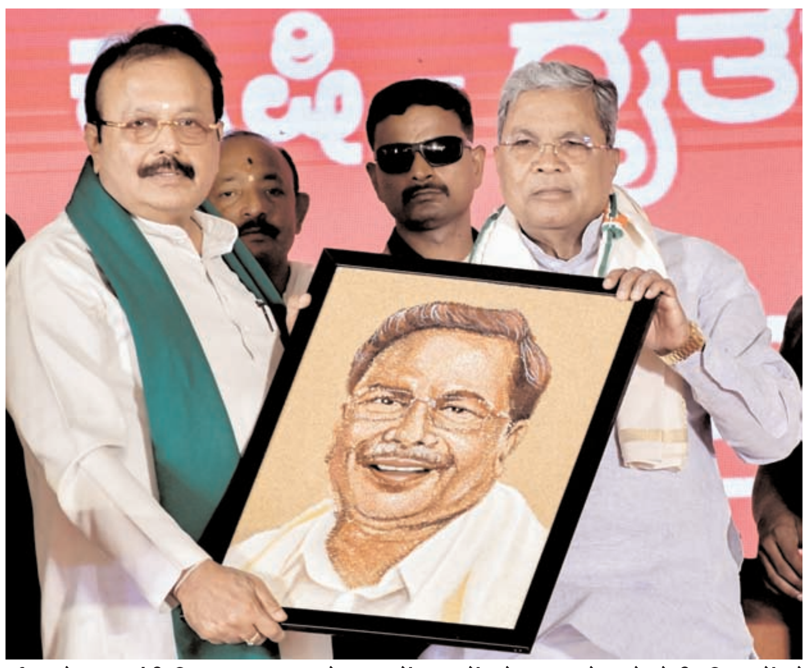

र्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या राज्य के साथ बेंगलूरु में 'प्रोडक्शन से आगे खेती किसानों को मज़बूत बनाना' थीम वाले इंटरनेशनल ट्रेड फेयर के उद्घाटन के दौरान कृषि मंत्री एन चेलुवरायस्वामी और चीफ सेक्रेटरी शालिनी रजनीश।

मंत्रिमंडल ने एसआईआर पर चर्चा स्थगित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा स्थगित कर दी है। विशेष गहन पुनरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा यह सुनिश्चित करने की एक प्रक्रिया है कि सभी पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जाए और कोई भी अपात्र मतदाता इसमें शामिल नहीं हो। राज्य के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के. पाटिल ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा, एसआईआर पर चर्चा स्थगित कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि मतदाताओं की 'मैपिंग' की प्रक्रिया शुरू हो गई है, हालांकि निर्वाचन आयोग ने अब तक एसआईआर की घोषणा या इस संबंध में आदेश नहीं दिया है। पाटिल ने कहा, प्रारंभिक कार्य भी पूरे हो चुके हैं, जिसका अर्थ है कि तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि कर्नाटक पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2026 को भी मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संशोधन पुलिस स्थापना बोर्ड (पीईबी) को कर्तव्य में लापरवाही, उपेक्षा और दुर्व्यवहार के आरोपी पुलिस अधिकारियों का तबादला करने का अधिकार देने के लिए आवश्यक था।

एसआईआर के दौरान टीचर को दी धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर जिले में एक घटना सामने आई है। आरोप है कि एक कांग्रेस नेता ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) से जुड़ा काम कर रहे एक शिक्षक को धमकी दी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच हुई बातचीत की एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल है। नेता की पहचान नागेश रेड्डी के रूप में हुई है। आरोप है कि वह शिक्षक जीएस शिवशंकर पर चिल्ला रहे हैं और उन पर एसआईआर से जुड़ा काम करते समय एक राजनीतिक पार्टी का समर्थन करने का आरोप लगा रहे हैं। शिवशंकर हिंदी भाषा के शिक्षक हैं। वे कर्नाटक मॉडल प्राइमरी स्कूल से जुड़े हैं। उन्हें नरसिम्हेना हल्ली और आसपास के गांवों में मतदाता सूची संशोधन के लिए बूथ लेवल ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

ऑडियो क्लिप में नागेश रेड्डी, शिवशंकर से उन नियमों के बारे में सवाल करते हुए सुनाई देते हैं जिनका वह हवाला दे रहे थे। रेड्डी कथित तौर पर कहते हैं, क्या तुम गांव में रहते भी हो? तुम कौन होते हो ये सब करने वाले? इस पर शिक्षक जवाब देते हैं कि वे गांव में नहीं रहते, लेकिन उन्हें वहां मतदाता सूची संशोधन का काम आधिकारिक तौर पर सौंपा गया है।

आरोप है कि रेड्डी गाली-गलौज करते हुए शिक्षक को डांटते हैं और कहते हैं कि उन्हें नियमों पर सवाल उठाने या बात करने का कोई अधिकार नहीं है। वे शिवशंकर पर बीजेपी का समर्थन करने का आरोप भी लगाते हैं और पूछते हैं कि क्या उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत है? इस पर शिक्षक रेड्डी से अपनी भाषा ठीक रखने को कहते हैं।

क्लिप में रेड्डी यह कहते हुए भी सुनाई देते हैं, मुझे पता है तुम बीजेपी के आदमी हो। मेरे खिलाफ पहले से दो केस हैं। एक और हो जाए तो मुझे फर्क नहीं पड़ता। मुझे सब पता है, इसलिए मैं तुमसे ऐसे बात कर रहा हूं। सूत्रों के अनुसार, नागेश रेड्डी, शिवशंकर का पूर्व छात्र रह चुका है।

घटना से जुड़ी अन्य जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। अगर औपचारिक शिकायत मिलती है तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

बेंगलूरु में विदेशी वाणिज्य दूतावासों को बम से उड़ाने की झूठी धमकियां मिलीं, मामले दर्ज

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में इटली और जापान के वाणिज्य दूतावासों को हाल में बम से उड़ाने की झूठी धमकियां मिलीं जिसके बाद मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 29 जनवरी को प्राप्त धमकी भरे ईमेल के बारे में शिकायतों के बाद गहन जांच की गई और धमकियां फर्जी निकलीं। इटली और जापान के दूतावासों के अधिकारियों की शिकायतों के आधार पर क्रमशः उल्सूर और विधान सौध थानों में मामले दर्ज किए गए हैं एवं जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि इतालवी वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों की शिकायत के अनुसार, उन्हें 29 जनवरी को सुबह पांच बजकर 25 मिनट पर उनके आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि बेंगलूरु स्थित इतालवी वाणिज्य दूतावास में दोपहर एक बजे पांच आरडीएक्स में विस्फोट होगा। सुबह 10 बजे तक राजनयिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। पुलिस ने यह भी बताया कि जापानी वाणिज्य दूतावास को भी उसी ईमेल आईडी से सुबह पांच बजकर 32 मिनट पर इसी तरह का ईमेल प्राप्त हुआ था।

मंत्रिमंडल ने मतपत्रों के जरिये पंचायत चुनाव कराने के लिए संशोधन विधेयक को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े संशोधन विधेयक को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी, जिससे चुनावों में मतपत्र और मतपेटियों के उपयोग का रास्ता साफ हो गया। राज्य के मंत्री एच. के. पाटिल ने यह जानकारी दी। कैबिनेट ने कर्नाटक ग्राम स्वराज एवं पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी। कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए पाटिल ने कहा कि सरकार ने पंचायत चुनाव में मतपत्र और मतपेटियों के इस्तेमाल का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा, हम पंचायत चुनाव कराने जा रहे हैं, जिनमें मतपत्र और मतपेटियों का उपयोग होगा। पुराने कानून में इसके प्रावधान नहीं हैं। जहां आवश्यक होगा, वहां मतपत्र और मतपेटियों के उपयोग के लिए कानून में संशोधन किया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के उपयोग को लेकर आशंका जताई है और इसी कारण स्थानीय निकाय चुनाव मतपत्र और मतपेटियों के माध्यम से कराने का फैसला किया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष सितंबर में कांग्रेस सरकार ने राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) से यह सिफारिश करने का निर्णय लिया था कि राज्य में भविष्य में होने वाले सभी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों के माध्यम से कराए जाएं। सरकार का दावा है कि लोगों के बीच ईवीएम को लेकर भरोसे और विश्वसनीयता में कमी आई है।

राज्यसभा में उठी लाभकारी मार्गों पर उड़ान बंद करने वाली एयरलाइनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के एक सदस्य ने बेलगावी हवाई अड्डे से कम उड़ान संचालित होने का मुद्दा उठाते हुए एयरलाइनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, जिन्होंने यात्रियों की मांग के बावजूद सेवाएं बंद कर दी हैं।

भाजपा सदस्य इरण्ण कराडी ने उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा उड़ान-3 योजना के तहत बेलगावी को पांच एयरलाइनों के माध्यम से 13 शहरों से जोड़ने का लक्ष्य था, लेकिन अब केवल दो एयरलाइनों द्वारा पांच शहरों से ही संपर्क है। उन्होंने कहा, ''एयरलाइन केवल तब सेवाएं देती हैं जब उन्हें सरकार से वित्तीय सहायता या सब्सिडी मिलती है। जैसे ही सब्सिडी समाप्त होती है, वे उड़ानें रोक देती हैं।''

कराडी ने यह भी कहा कि उड़ान-3 योजना समाप्त होने के बावजूद यात्रियों की संख्या कम नहीं हुई है। हवाई अड्डे पर 2024-25 में 3,40,300 यात्रियों का आवागमन हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में नौ प्रतिशत अधिक है। उन्होंने केहा कि जब उड़ानें 90 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चल रही थीं और बिना सब्सिडी के भी लाभ दे रही थीं, तो एयरलाइनों द्वारा सेवाओं को बंद करना गलत है। उन्होंने कहा कि 1942 में रॉयल एयर फोर्स द्वारा निर्मित बेलगावी हवाई अड्डा कर्नाटक, महाराष्ट्र और गोवा की सीमा से सटे, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र की सेवा करता है। कराडी ने कहा कि यह शहर प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे मराठा लाइट इन्फैंट्री, आईटीबीपी, कमांडो ट्रेनिंग सेंटर और वायु सेना इकाइयों का केंद्र होने के साथ ही एक शैक्षिक, चिकित्सा और औद्योगिक केंद्र भी है।

केंद्र सरकार वर्तमान में हवाई अड्डे का विस्तार कर रही है, जिसमें 262.64 करोड़ रुपये की नई टर्मिनल इमारत और 25.98 करोड़ रुपये का एक अन्य ढांचा 'एप्रोन' शामिल है।

कराडी ने सरकार से मुंबई, पुणे, चेन्नई, इंदौर और जयपुर से उड़ानों को बहाल करने का अनुरोध किया, ताकि सुरक्षा कर्मियों और आम जनता की सुविधा बनी रहे।

आलाकमान का स्पष्ट संकेत, नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा : यतींद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसुरु। कांग्रेस नेता यतींद्र सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को दावा किया कि पार्टी आलाकमान ने स्पष्ट संकेत दिया है कि राज्य में नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा और उनके पिता सिद्दरामय्या पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर बदलाव का मुद्दा सुलझ चुका है और आलाकमान ने अब तक परिवर्तन की मांगों को स्वीकार नहीं किया है।

मुख्यमंत्री के बेटे के दावों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा, यतींद्र हमारे आलाकमान हैं, आइए हम उनकी बातों को बहुत सम्मानपूर्वक स्वीकार करें। उन्होंने मंगलुरु में पत्रकारों से कहा, एक बार जब उन्होंने (यतींद्र) कह दिया, तो यह ऐसा है, जैसे आलाकमान ने कह दिया हो। चलिए यतींद्र को ही आलाकमान मान लेते हैं...मैं यतींद्र या बसवराज (कांग्रेस विधायक वी बसवराज) पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। अगर किसी को प्रतिक्रिया देनी है, तो हमारे दिल्ली के नेताओं को प्रतिक्रिया देनी होगी।

प्रदेश की कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर, 2025 को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा सफर तय करने के साथ मुख्यमंत्री पद पर बदलाव की अटकलें लगने लगीं।

वर्ष 2023 में सरकार के गठन के समय सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण व्यवस्था से इन अटकलों को और हवा मिली नेतृत्व परिवर्तन से संबंधित एक प्रश्न पर यतींद्र ने पत्रकारों से कहा, मीडिया के अलावा राजनीतिक हलकों में इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही। यह मुद्दा सुलझ चुका है। राज्य में ध्यान देने योग्य कई मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, बजट पेश होने वाला है।

वित्तीय स्थिति ऐसी है कि हमें पहले की तरह राजस्व नहीं मिल रहा। केंद्र सरकार राज्य को उसके हिस्से का कोष ठीक से नहीं दे रही है। इसलिए हमें इस पर ध्यान देना होगा।

नेतृत्व के मुद्दे पर किसी भी तरह का कोई भ्रम न होने का जिक्र करते हुए विधान परिषद के सदस्य यतींद्र ने कहा, मेरे अनुसार, आलाकमान ने भले खुलकर कुछ न कहा हो, लेकिन उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। इसलिए मेरा मानना है कि सिद्दरामय्या पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का संसद की चर्चा में जवाब न देना 'लोकतंत्र की हत्या' : तिरुमावलवन

चेन्नई/भाषा। वीसीके संस्थापक और सांसद टी. तिरुमावलवन ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जवाब के बिना राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने को लोकतंत्र की हत्या और भारतीय संसद के इतिहास में पहली घटना करार दिया। चेन्नई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में तिरुमावलवन ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जानबूझकर विपक्ष को चुप कराने और संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मुद्दों पर जवाबदेही से बचने के लिए हंगामा खड़ा किया।

लोकसभा में जारी गतिरोध के कारण बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के बिना मंजूरी दे दी गई। राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की तीखी आलोचना की।

विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) प्रमुख ने कहा, ''भारतीय संसद के इतिहास में यह पहली बार है कि प्रधानमंत्री के जवाब दिए बिना धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। सत्तारुढ़ दल ने ऐसा माहौल बनाया जहां विपक्ष और विपक्ष के नेता को बोलने का मौका नहीं दिया गया और केवल अपने सदस्यों के समर्थन से प्रस्ताव पारित करवाया।''

तिरुमावलवन ने दावा किया कि सरकार ने प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बाचतीत से संबंधित सवालों से बचने के लिए इन हथकंडों का सहारा लिया। उन्होंने कहा, सत्तारुढ़ दल ने विपक्ष को इसलिए रोका क्योंकि उन्हें ट्रंप-प्रधानमंत्री बातचीत और कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवाल उठने का डर था। प्रधानमंत्री का सदन (लोकसभा) को संबोधित न करना हमारे लोकतंत्र पर एक बड़ा धब्बा है, जिसके लिए उन्हें जिम्मेदारी लेनी होगी। संसद में हाल में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान पर तीखा हमला करते हुए, दलित नेता ने भाजपा पर तमिल विरोधी भावना रखने का आरोप लगाया।

वायनाड में कार में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत, पत्नी और बच्चे गंभीर रूप से झुलसे

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल में वायनाड के मनंथावडी में एक कार में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी और तीन बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान कन्नूर जिले के इरिट्टी के किल्यंथारा निवासी सजीर एमपी (45) के रूप में हुई।

मनंथावडी पुलिस ने बताया कि कार के अंदर मौजूद सजीर की पत्नी और तीन बच्चों को बचा लिया गया और उन्हें कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि यह घटना आत्महत्या का प्रयास है क्योंकि सजीर ने कथित तौर पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा था कि वायनाड के एक व्यक्ति द्वारा धोखा दिए जाने के बाद उसे आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है जिससे वह अपनी जान देना चाहता है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना बृहस्पतिवार रात करीब 10.30 बजे घटी, जब कार मनंथावडी के एरुमाथेरुव में एक घर के सामने रुकी और अचानक उसमें आग लग गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सजीर पर वाहन के अंदर ईंधन डालकर आग लगाने का संदेह है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आग इंजन कक्ष में नहीं लगी थी, वह पूरी तरह सुरक्षित पाया गया।

पुलिस ने बताया कि सजीर की पत्नी और बच्चों की हालत स्थिर है, हालांकि वे 30 से 50 प्रतिशत तक झुलस गए हैं।

मनंथावडी पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस मृतक के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच करेगी और परिजनों के बयान दर्ज करके घटना के सटीक कारण का पता लगाएगी।

शबरिमला सोना 'चोरी' मामले में ईडी ने अभिनेता जयराम को तलब किया

कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला सोना ''चोरी'' से जुड़ी धन शोधन जांच मामले में अभिनेता जयराम को पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी इस मामले में कथित मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को भी समन भेजने की तैयारी कर रही है। पोट्टी हाल ही में इसी मामले में कोल्लम अदालत से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आए हैं। केरल पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) भी शबरिमला मामले की जांच कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शबरिमला मामले में अभिनेता जयराम को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। माना जा रहा है कि वह अगले कुछ दिनों में एजेंसी के सामने पेश होंगे।

केरल पुलिस की एसआईटी ने भी कुछ समय पहले चेन्नई में जयराम से पूछताछ की थी। बताया जा रहा है कि अभिनेता और पोट्टी का एक साथ पूजा करते हुए वीडियो सामने आने के बाद एसआईटी ने जयराम से पूछताछ की थी।

बालाजी अच्छा खेल रहे हैं, इसलिए वह युगल के लिए बेहतर विकल्प थे : कप्तान राजपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल ने शुक्रवार को कहा कि हाल के मैच के प्रदर्शन और फॉर्म ने टीम प्रबंधन के फैसले को प्रभावित किया जिसके तहत नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले में युगल मैच के लिए पहले चुने गए ऋत्विक बोलीपल्ली की जगह एन श्रीराम बालाजी को चुना गया। राजपाल ने ड्रॉ के बाद युगल संयोजन के बारे में बताते हुए कहा कि टीम के पास लंबे अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों का आकलन करने का काफी समय था। बालाजी और बोलीपल्ली स्विट्जरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में खेले थे जिसमें युकी भांबरी नहीं खेल पाए थे।

राजपाल ने कहा, हम यहां जल्दी आ गए थे और बहुत सारे सेट खेले। बालाजी लगातार टूर्नामेंट खेल रहे हैं और अभी बहरीन में बहुत अच्छा नतीजा हासिल करके आए हैं। उन्होंने कहा, ऋत्विक अच्छा खेल रहा है, लेकिन उसने पिछले डेढ़-दो महीनों से सक्रियता से टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है। यह मुश्किल फैसला था, लेकिन हमें लगा कि उसे सीधे दबाव वाले डेविस कप मैच में उतारना ठीक नहीं होगा और उसे लय में आने के लिए और समय देना चाहिए। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने कहा कि बेंगलूरु की ऊंचाई वाली परिस्थितियों से सांमजस्य बिठाने में आमतौर पर कुछ दिन लगते हैं, हालांकि यह शहर बहुत ज्यादा ऊंचाई (900 मीटर) पर नहीं है। नागल ने कहा, अगर मैं ऊंचाई पर खेलता हूं तो मैं कम से कम तीन या चार दिन पहले पहुंचना पसंद करता हूं ताकि बहुत सारी गेंदें हिट कर सकूं। मौसम के हिसाब से बेंगलूरु बहुत अच्छा है। नागल ने कहा कि पेशेवर सर्किट पर बार-बार यात्रा करने से अलग-अलग परिस्थितियों में सांमजस्य बिठाना आसान हो जाता है। उन्होंने कहा, हम हर हफ्ते टूर्नामेंट खेलने के लिए यात्रा करते हैं इसलिए परिस्थितियों का आदी होना हमारे काम का हिस्सा है। नागल के खिलाफ शुरुआती एकल खेलने वाले डेन ओडेन ने माना कि उन्हें ऊंची जगहों पर खेलने की आदत नहीं है, लेकिन वह मुकाबले के लिए तैयार हैं।

वहीं नीदरलैंड के कप्तान पॉल हैरहियस ने कहा कि बेंगलूरु में अतिरिक्त अभ्यास ने उन्हें चुनौती के लिए अच्छी तरह से तैयार किया है। उन्होंने कहा, मैंने अपने फेड कप कोच को फोन किया था क्योंकि टीम हाल में बेंगलूरु में खेली थी। इसलिए हमें काफी जानकारी मिली और इससे हमें मदद मिली। उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी भारत की मेहमाननवाजी का आनंद ले रहे हैं।

दक्षिणेश्वर सुरेश ने कहा कि अमेरिकी 'कॉलेजिएट सर्किट' और विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में टीम स्पर्धा खेलने के अनुभव ने उन्हें डेविस कप के माहौल में ढलने में मदद की है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. 43यूबीएल2025-26
दिनांक 31.01.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
एसडब्ल्यूआर-हुब्बल्लि डिविजन - हुब्बल्लि डिविजन के भीतर 40 स्थानों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग स्टेशनों के रिले रूम के लिए एस्पाइरेशन टाइप फायर अलार्म सिस्टम का प्रावधान।	रू. 4,33,90,807.85

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि: 02.03.2026 को 11.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर, हुब्बल्लि
PUB/877/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

आचार्यमहाश्रमण ने सम्पूर्ण जीवन मानव कल्याण के लिए किया समर्पित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैन धर्म केवल एक धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण कला है। इस धर्म के पंच महाव्रत आज के भौतिकवादी युग में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सदियों पहले थे। उन्होंने कहा कि संत, मुनि, महंत समाज को दिशा देने का काम करते है तथा हमारी समृद्ध संस्कृति को दुनियाभर में पहुंचाते है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। शर्मा शुक्रवार को लाडनूं के जैन विश्व भारती परिसर में आयोजित सुधर्मा सभा प्रवचन हॉल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूज्य आचार्यमहाश्रमणजी का पधारना राजस्थान के लिए अत्यंत सम्मान और गौरव का विषय है। जैन विश्व भारती द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सुधर्मा सभा का लोकार्पण भी हो रहा है। यह आने वाले समय में मानवीय मूल्यों और धार्मिक शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा का संदेश देकर प्रकाश स्तंभ की तरह मानवता को दिशा दिखा रहा है। जैन दर्शन ने 'जियो और जीने दो' का जो मूलमंत्र दिया है, वह आज पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस धर्म की यह विशेषता रही है कि इसने हमेशा प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलने की शिक्षा दी है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन से चिंतित है, तब जैन धर्म के सिद्धांत हमें यह बताते हैं कि संयम और सादगी के बिना मानवता का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

शर्मा ने कहा कि पूज्य आचार्यमहाश्रमणजी मानवीय मूल्यों के जीवंत प्रतीक हैं। इनकी साधना, ज्ञान और त्याग लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण और धर्म प्रचार के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि आचार्य जी ने जैन धर्म की प्राचीन परंपराओं को आधुनिक समय के साथ जोड़कर एक नई दिशा दी है। उनका यह योगदान केवल जैन समाज के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए वरदान है। उनकी शिक्षाओं में जो सरलता और व्यावहारिकता है, वह हर वर्ग के लोगों तक पहुँचती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन विश्व भारती ने पिछले कई दशकों में धर्म, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दिया है। आचार्य तुलसी के बाद आचार्य महाप्रज्ञ ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने जैन दर्शन का प्रचार-प्रसार के साथ ही आधुनिक शिक्षा को मानवीय मूल्यों के साथ जोड़कर एक नई दिशा दी है। यहाँ संचालित शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान के साथ जीवन जीने की कला भी सिखाई जाती है। विश्व भारती ने अहिंसा और शांति के संदेश को घर-घर तक पहुँचाने का काम किया है। यह संस्थान विदेशों में भी भारतीय संस्कृति और जैन दर्शन का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुधर्मा सभा मानवीय मूल्यों का एक मंदिर है। यहाँ से सत्य, अहिंसा और करुणा का संदेश दूर-दूर तक फैलेगा।

कांग्रेस नेता सरकार बचाने दिल्ली जाते थे; मेरे दौरे जनता की सेवा के लिए : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि गत कांग्रेस सरकार के दौरान उसके नेता सिर्फ अपनी सरकार बचाने के लिए दिल्ली जाते थे जबकि उनके दिल्ली दौरे जनता की सेवा और विकास कार्यों को लेकर हैं। मुख्यमंत्री, विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा,ये (विपक्ष कांग्रेस वाले) कभी-कभी कहते हैं कि मुख्यमंत्री बार-बार दिल्ली जाते हैं...आप जाते थे, सरकार बचाने जाते थे, मैं जनता की सेवा के लिए जाता हूं । मैं दिल्ली जाता हूं तो जनता के लिए कुछ न कुछ लेकर आता हूं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) में देरी की और उसे रोक दिया था जबकि मौजूदा भाजपा सरकार ने 26,000 करोड़ रुपये का काम जमीनी स्तर पर शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर जल जीवन मिशन में कुप्रबंधन का आरोप लगाया और दावा किया कि भ्रष्टाचार के कारण एक मंत्री सहित आठ आरोपियों को जेल हुई।

वीबी-जीराम जी कानून का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि विपक्ष को तो राम शब्द पर भी आपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक बताया था और इस संबंध में उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दायर किया था। महात्मा गांधी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि गांधीजी, भगवान राम की पूजा करते थे और 'राम राज्य' की कल्पना करते थे।

शर्मा ने कहा कि केवल कालनेमि ही राम के नाम से डरता है। उन्होंने विपक्षी सदस्यों को भगवान राम का नाम जपने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने युवाओं से जुड़े मुद्दों पर पिछली कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि भर्ती और परीक्षाओं में योग्यता को नजरअंदाज किया गया। कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए शर्मा ने कहा कि जो लोग पहले सत्ता का आनंद ले रहे थे, वे अब नैतिकता पर भाषण दे रहे हैं। उन्होंनें कहा,आपने पहले घी पी लिया, अब आप उपदेश दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के ग्रामीण भारत को सशक्त करने के लिए उठाए अनेक कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ग्रामीण भारत को सशक्त करने के लिए विकसित भारत जी राम जी कानून लेकर आई है। इस कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में साल में 125 दिन का पक्का रोजगार मिलेगा। हर काम डिजिटल तरीके से रिकॉर्ड होगा। इससे पूरी पारदर्शिता व तकनीक के सहारे काम होगा और मजदूरी सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत गांव में स्थायी संपत्ति बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश में 1500 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर 77 लाख से अधिक काम किए गए है। आमजन को 98 हजार से ज्यादा सोइल हेल्थ कार्ड तथा 55 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में 30 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन, 5 लाख 10 हजार पशुधन का इलाज तथा 77 हजार से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया गया है। साथ ही, पीएम सूर्य घर योजना के तहत करीब 29 हजार पंजीकरण हुए है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में किसानों को तारबंदी, डिग्गी, पाइप लाइन, सोलर पंप, फव्वारा सिंचाई जैसी योजनाओं की स्वीकृति से लेकर प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आवंटन सहित विभिन्न कार्य करवाए जा रहे है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार के दो साल के काम गत सरकार के पूरे पांच साल की तुलना में कई गुना ज्यादा है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा दो साल में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने नहरी तंत्र से 99 हजार 562 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा सृजित की। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल के प्रथम दो वर्ष में 17 हजार 448 हैक्टेयर तथा पूरे पांच साल में केवल 52 हजार 182 हैक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधा दी। इसी तरह, हमने 344 लाख मीटर खेतों पर तारबंदी की तथा पूर्ववर्ती सरकार ने शुरूआती दो साल में 8 लाख मीटर तथा पूरे पांच साल में 113 लाख मीटर तारबंदी ही की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दो वर्षों में 3 हजार 433 करोड़ रुपये गौशालाओं को सहायता राशि की तुलना में गत सरकार ने दो साल में 934 करोड़ तथा पूरे पांच साल में 3 हजार 117 करोड़ रुपये की राशि गौशालाओं को दी।

शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। हमारी सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और सशक्तिकरण कई ठोस कदम उठाए हैं। प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राशि में बढ़ोतरी, गेहूं पर 150 रुपये का बोनस, किसानों को 50 हजार करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण, 2 लाख 3 हजार हेक्टेयर में ड्रिप और फव्वारा संयंत्र, डिग्गी और फार्म पॉन्ड बनाने तथा 17 लाख से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण जैसे अनेक कार्य किए गए है जिससे किसान सशक्त हो सकेंगे। उन्होंने किसानों से मृदा की जांच करवाकर आवश्यकतानुसार उर्वरक का उपयोग करने की अपील की जिससे मृदा की उर्वरता लम्बे समय तक बनी रहे।

खेजड़ी संरक्षण के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया जारी: भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा कि राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण के लिए नया कानून बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून बनाने प्रक्रिया के तहत मसौदा विधेयक सदन में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री, विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि खेजड़ी के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार ने इसे राज्य वृक्ष घोषित किया है और उसे बचाने के लिए सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं सदन के माध्यम से राजस्थान की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि राज्य के कल्पवृक्ष खेजड़ी को बचाने के लिए कानून लाएंगे ताकि प्रदेश में खेजड़ी संरक्षित रहे। शर्मा ने कहा कि उन्होंने खेजड़ी संरक्षण के लिए कानून बनाने के संबंध में निर्देश दे दिए थे और प्रक्रिया पूरी होते ही हम सदन में इसका मसौदा पेश करेंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा यह घोषणा बीकानेर में पर्यावरण प्रेमियों और संत समुदाय के धरने के बीच हुई है। ये लोग पेड़ संरक्षण विधेयक लाने और राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी की कटाई पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले दिन में राज्य सरकार की ओर से मंत्री के के बिश्नोई, राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारीलाल बिश्नोई के साथ सरकारी प्रतिनिधिमंडल आंदोलनकारियों से बातचीत करने के लिए महापड़ाव स्थल पर पहुंचे।

राष्ट्रीय कैडेट कोर विद्यार्थी जीवन को गढ़ने वाला संगठन : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने राष्ट्रीय कैडेट कोर को विद्यार्थी जीवन को गढ़ने वाला बताते हुए कहा कि यह देश का अनुशासित, राष्ट्र प्रतिबद्ध सैन्य प्रशिक्षण से ही जुड़ा संगठन नहीं है बल्कि आपदा काल में देश सेवा से जुड़ा भी प्रमुख संगठन है। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान कैडेटस के परेड में भाग लेने और सांस्कृतिक आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। राज्यपाल बागड़े शुक्रवार को लोकभवन में दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेटस के सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं के चरित्र निर्माण के साथ-साथ सेवा और एकता की भावना जगाने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेटस एक बार इसमें आता है तो फिर हमेशा राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। उन्होंने सभी को देश को समृद्ध बनाने में भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने एनसीसी को चरित्र निर्माण की पाठशाला बताते हुए कहा कि राज्य सरकार इस संगठन के विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। उन्होंने एनसीसी कैडेटस को सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल बागड़े ने एनसीसी के विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त कैडेटस सीनियर अंडर ऑफिसर मोनिका, सलोनी यादव, नमन चौधरी, आयुषी जैन और अंडर ऑफिसर युवराज राठौड़ को लोकभवन में सम्मानित किया। उन्होंने चयनित कैडेटस को उपहार भी प्रदान किए। कर्नल नितिन ने गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान के एनसीसी कैडेटस के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका और राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर राजस्थान की लोक संस्कृति और परम्पराओं से जुड़ी नृत्य और संगीत प्रस्तुतियां दी। बिड़ला बालिका विद्यापीठ, पिलानी की छात्राओं ने गणतंत्र दिवस परेड के दौरान प्रस्तुत राष्ट्र भक्ति से जुड़ी मधुर धुनें बैंड पर पेश की।

राजीविका समूहों की महिलाओं को 2 करोड़ 51 लाख रुपए का ऋण वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दौसा शहरवासियों को शुक्रवार को भव्य टाउन हॉल एवं आवासीय योजना की सौगात मिली। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने यहां खान भांकरी-आईटीआई रोड पर केएम वाटिका के पास आयोजित समारोह में स्वतंत्राता सेनानी कैप्टन छुट्टन लाल मीणा टाउन हॉल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दौसा-बांदीकुई नगर विकास न्यास (यूआईटी) की प्रथम आवासीय कॉलोनी पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर की पुस्तिका का विमोचन कर योजना को लॉन्च किया गया। साथ ही, राजीविका समूहों की महिलाओं को 2 करोड़ 51 लाख रुपए का ऋण वितरित किया गया। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दौसा जिला विकास के पथ पर निरन्तर आगे बढ़ रहा है। हम सब जनप्रतिनिधियों की महती जिम्मेदारी है कि इस विकास यात्रा को तेज गति से आगे बढ़ाएं। राज्य सरकार का प्रयास है कि भविष्य में दौसा एक सुन्दर शहर बनकर उभरे। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार की विकास प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने एक्सप्रेस-वे बनाकर मात्र दो घंटे में रोड से दिल्ली पहुंचने के सपने को साकार कर दिया। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' सरकार के प्रयासों से दौसा को चम्बल एवं इसरदा का पानी मिलने लगेगा।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि दौसा में महानगरों की तर्ज पर हर आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त टाउन हॉल बना है, जहां विभिन्न प्रकार के आयोजन सुगमतापूर्ण हो सकेंगे। इसी प्रकार नवसृजित यूआईटी की ओर से हर वर्ग के लोगों के लिए आधुनिक प्लानिंग के साथ आवासीय योजना लाई गई है।

न्यायालय परिसर में बम होने की धमकी फर्जी निकली

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के जयपुर और जोधपुर परिसर में शुक्रवार को बम होने की धमकी मिलने के बाद उन्हें खाली कराया गया। हालांकि, तलाशी के बाद पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को शुक्रवार सुबह इस बारे में एक ईमेल मिला। इसमें दावा किया गया था कि अदालत परिसर के अंदर तीन बम लगाए गए हैं।

अदालत प्रशासन ने पुलिस को इसकी सूचना दी और तुरंत परिसर खाली करने का आदेश दिया। बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते को मौके पर भेजा गया। इन दस्तों ने जयपुर और जोधपुर में परिसर की तलाशी शुरू की। हालांकि, जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बाद में वकीलों और मुवक्किलों को प्रवेश की अनुमति दे दी गई। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में उच्च न्यायालय को इस तरह की धमकियां कई बार मिलीं, जो जांच पड़ताल के बाद झूठी निकलीं।

मार्बल, ग्रेनाइट, सेंडस्टोन, कोटा स्टोन और क्वार्टजाइट की 40 वैरायटी प्रदर्शित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । जेईसीसी सीतापुरा में चल रहे स्टोन मार्ट में राजस्थान सरकार के खान, भूविज्ञान एवं आरएसएमएम का पेवेलियन माइनिंग से जुड़ें लोगों के साथ ही स्टोनमार्ट में देश-विदेश के प्रतिभागियों के लिए इस लिए भी आकर्षण का केन्द्र बन रहा है कि यहां पर राजस्थान की धरा द्वारा उगले जाने वाले सभी तरह के माइंस और इससे जुड़ी संदर्भ सामग्री सेंपल और डिसप्ले प्रभावी तरीके से प्रस्तुत की गई है। प्रमुख सचिव माइंस एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने पेवेलियन में प्रदर्शित 40 तरह के डायमेंशनल स्टोन्स सहित मेजर और माइनर मिनरल के एक एक खनिज की विस्तार से जानकारी ली। रविकान्त ने स्टोनमार्ट का अवलोकन करने के बाद इसकी प्रस्तुति और संदर्भ सामग्री की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान की माइनिंग संपदा देश-दुनिया से रुबरु कराने में स्टोन मार्ट जैसे आयोजन उपयोगी सिद्ध होते हैं।

प्रमुख सचिव रविकान्त ने पेवेलियन में आने वाले प्रतिभागियों को प्रदेश की खनिज संपदा की उपलब्धता, संभावित भण्डार, गुणवत्ता और देश विदेश में मांग के संबंध में विस्तार से जानकारी देने के निर्देश दिए। राजस्थान देश दुनिया के उन प्रमुख स्थानों में है जहां चेजा पत्थर से लेकर आज के सबसे महत्वपूर्ण रेयर अर्थ एलिमेंट तक के प्रचुर भण्डार उपलब्ध है। यहां तक कि राजस्थान में सोना, चांदी, लेड, जिंक , तांबा, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस तक की खोज और खनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्टोन मार्ट देश दुनिया के प्रतिभागियों को राजस्थान की खनि संपदा से रुबरु कराने का बेहतर अवसर है।

राजस्थान की खनिज संपदा के प्रति प्रतिभागियों के उत्साह को जेईसीसी में आयोजित स्टोनमार्ट में राज्य के माइंस एवं भूविज्ञान विभाग के पेवेलियन पर आसानी से देखा जा सकता है। देशी-विदेशी दर्शकों ने प्रदेश के डायमेंशनल स्टोन की बारीकी को समझने की कोशिश की है वहीं खनिज संपदा की विपुलता और विस्तृत रेंज को देखकर दांतों तले अंगूली दबाएं बिना नहीं रह रहे। रेगिस्तान में विपुल खनिज संपदा और उसमें भी स्टोनमार्ट में प्रदर्शित सेंपल को देखकर लोगों में गजब का उत्साह देखा गया। स्टोन मार्ट में विभागीय पेवेलियन में प्रदेश में खनन किए जा रहे सभी 57 खनिजों के सेंपल्स प्रदर्शित किए गए हैं। इसके साथ ही डायमेंशनल स्टोन की स्लेब्स भी प्रदर्शित करते हुए उनकी उपलब्धता की जानकारी दी जा रही है। राज्य में मेटेलिक, नॉन मेटेलिक और फर्टिलाइजर केमिकल खनिज का भण्डार उपलब्ध है। एक ही प्रदेश में इतने प्रकार के खनिजों की वैरायटी देखकर अन्य प्रदेशों और विदेशों से स्टोनमार्ट में हिस्सा लेने आये प्रतिभागी अचंभित है।

अतिरिक्त निदेशक जियोलोजी एसएन डोडिया के नेतृत्व में अधीक्षण भू वैज्ञानिक संजय सक्सैना, सुशील हुड्डा, दवेन्द्र सिंह, अमित मीणा, नवीन बाकोलिया की टीम देशी-विदेशी खरीददारों व आगंतुकों का समाधान कर रही है तो डिस्प्ले बोर्ड के द्वारा लोगों को सहज जानकारी उपलब्ध हो रही है।

अग्रिम पंक्ति की सतर्कता को प्रौद्योगिकी से मजबूती दी जानी चाहिए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधुनिक उपकरणों के माध्यम से सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि अग्रिम मोर्चों पर तैनात कर्मियों की निरंतर सतर्कता महत्वपूर्ण बनी हुई है, वहीं उन्नत प्रौद्योगिकी से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला समान रूप से उन्नत तकनीकी समाधानों से किया जाना चाहिए।

शाह जम्मू-कश्मीर के कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित अग्रिम चौकियों के दौरे के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों की भूमिका की भी सराहना की। इस अभियान के दौरान जम्मू सीमा पर सीमा के पार 118 दुश्मन चौकियों और तीन आतंकी 'लॉन्च पैड' को नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार और बीएसएफ दोनों का साझा उद्देश्य देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ साल पहले जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, वे आज की चुनौतियों से बिल्कुल अलग हैं।

गृह मंत्री ने कहा, कुछ साल पहले सीमाओं पर हमें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, वे आज की चुनौतियों से बिल्कुल अलग हैं। मोर्चे पर लगातार सतर्क रहने के लिए आपका समर्पण अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि, उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से उभरती चुनौतियों के साथ-साथ, हमें उनका मुकाबला करने के लिए तकनीकी समाधान भी खोजने होंगे। हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियान की सीमा चौकियों के दौरे के दौरान उनके साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका और बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार भी थे।

उनकी यह यात्रा सीमा प्रबंधन पर विशेष तवज्जो के बीच हो रही है, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना है। साथ ही, आतंकवाद विरोधी अभियान भी तेज किए गए हैं, जिनमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवाड़ जिलों में लगभग एक दर्जन मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार कट्टर पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। शाह जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार देर रात यहां पहुंचे।

जन सुराज को न्यायालय की फटकार: कहा- जनता के नकारने पर न्यायिक मंच का सहारा लेते हैं दल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बिहार विधानसभा चुनाव निरस्त किये जाने संबंधी याचिका पर पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को शुक्रवार को फटकार लगाते हुए कहा कि जब लोग ''आपको नकार देते हैं, तो आप राहत पाने के लिए'' न्यायिक मंच का सहारा लेते हैं।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की पीठ ने जन सुराज की संबंधित याचिका खारिज कर दी और याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा। पीठ ने चुनाव हारने के बाद लोकप्रियता हासिल करने के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल करने की कोशिश को लेकर गहरी नाराजगी भी जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सवालिया लहजे में कहा, ''आपको कितने वोट मिले?'' उन्होंने कहा, ''जब लोग आपको नकार देते हैं, तो आप राहत पाने के लिए न्यायिक मंच का सहारा लेते हैं! किसी को तो उसी समय योजना को चुनौती देनी चाहिए थी। आप तो पूरे राज्य के चुनाव को अमान्य घोषित करने के लिए एक व्यापक निर्देश चाहते हैं।''

पीठ ने कहा कि यह याचिका पूरे राज्य के लिए एक समग्र चुनाव याचिका के अलावा और कुछ नहीं है। पीठ ने कहा, ''चूंकि यह मामला सिर्फ एक राज्य से संबंधित है, इसलिए कृपया संबंधित (पटना) उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटायें।'' हालांकि, न्यायालय ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में मुफ्त योजनाओं का गंभीर मुद्दा है, जिसकी वह गंभीरता से पड़ताल करेगा। किशोर की पार्टी ने अपनी याचिका में 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन का हवाला दिया था और चुनाव निरस्त करने का शीर्ष अदालत से अनुरोध किया था।

मरांडी ने राज्य के खजाने से 10,000 करोड़ रु. गायब होने के दावे पर जांच की मांग की

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जनता दल (यूनाइटेड) विधायक सरयू राय के उस सोशल मीडिया पोस्ट की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है जिसमें दावा किया गया है कि राज्य के खजाने से 10,000 करोड़ रुपये गायब हो गए हैं। राय ने बुधवार को एक पोस्ट में दावा किया कि पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के कार्यकाल में एक ऑडिट के दौरान गायब राशि का पता चला था, जिसके बाद सभी विभागीय सचिवों की एक बैठक बुलाई गई थी। राय ने आरोप लगाया कि सचिवों द्वारा दी गई व्याख्याएं भी अस्पष्ट थीं। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन की घटक कांग्रेस ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि कथित वित्तीय अनियमितताएं भाजपा के कार्यकाल से संबंधित हैं। जद(यू) विधायक की पोस्ट में दावा किया गया कि वर्तमान वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने पिछले साल इस मुद्दे पर विभागीय सचिवों की बैठक के लिए कहा था लेकिन उनका पत्र मुख्य सचिव को भेज दिया गया था और तब से लंबित है।

मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'गुटनिरपेक्ष नीति का सच्चा नेता' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'गुटनिरपेक्ष नीति का सच्चा नेता' करार देते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने किसानों और विनिर्माताओं के हितों को हमेशा सबसे ऊपर रखता है और इस सिलसिले में अपने रुख से टस से मस नहीं होता है।

यादव ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति बनने के बाद यह बात कही। मुख्यमंत्री यादव ने अनाज मिलिंग उद्योग की प्रदर्शनी 'ग्रेनेक्स इंडिया' के उद्घाटन समारोह में कहा कि '56 इंच के सीने वाले' प्रधानमंत्री मोदी गुटनिरपेक्ष नीति के सच्चे नेता हैं। उन्होंने कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, ''पहले केवल कहने के लिए कहा जाता था कि भारत गुटनिरपेक्ष नीति अपनाता है, लेकिन बताने की जरूरत नहीं है कि तब इस नीति के नाम पर किया जाता था।'' यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि केंद्र सरकार देश के किसानों और विनिर्माताओं की बेहतरी के लिए उनके हितों को सबसे ऊपर रखती है। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का जिक्र किए बगैर कहा, ''जब से प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल की सरकार बनी है, भारत अपने रुख से टस से मस नहीं होता, भले ही कोई देश (भारतीय सामान पर) कितना भी ज्यादा या कम शुल्क लगाए। भारत किसानों और कृषि क्षेत्र का सबसे ज्यादा ध्यान रखता है।'' यादव ने हाल ही में पेश केंद्रीय बजट की तारीफ करते हुए कहा,''समय बदल गया है। अब भारत के बजट के कारण दुनिया अपनी नीतियां बदलने के लिए तैयार रहती है।'' मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार दलहनों के व्यापार पर कर घटाने को लेकर औद्योगिक संगठनों की मांग पर विचार करेगी।

चिकित्सा शिक्षा ढांचे के विस्तार के लिए ठोस प्रयास किए गए: प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में चिकित्सा शिक्षा को ज़्यादा वहनीय बनाने के लिए विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत मेडिकल कॉलेज अवसंरचना का विस्तार करने के ठोस प्रयास किए हैं।

जाधव ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मौजूदा जिला और रेफरल अस्पतालों से संबद्ध नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) चलाता है, जिसमें उन क्षेत्रों और आकांक्षी जिलों को प्राथमिकता दी जाती है जहां कोई सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज नहीं है। जिलों में कुल 157 मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, एक और सीएसएस योजना के तहत एमबीबीएस (स्नातक) और पीजी (स्नातकोत्तर) सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के मौजूदा मेडिकल कॉलेजों को उन्नत करने के वास्ते भी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। जाधव ने कहा कि इन योजनाओं के तहत, देश भर के मेडिकल कॉलेजों में अतिरिक्त 4,977 एमबीबीएस सीटें और 8,058 पीजी सीटें मंजूर की गई हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के अनुसार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या में 111.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

बिहार में जल्द बनेगी कृषि निर्यात नीति : राम कृपाल यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही बिहार कृषि निर्यात नीति बनाने जा रही है, ताकि किसानों की उपज केवल मंडियों तक सीमित न रहकर सीधे व्यावसायिक बाजारों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार का मखाना, शहद, फल, सब्जियां, मसाले और अन्य विशिष्ट उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहचान बनाएंगे।

मंत्री ने कहा कि बिहार कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश है और यहां खेती अब नए युग में प्रवेश कर रही है। यह सिर्फ बदलाव नहीं, बल्कि नवजागरण का काल है, जहां किसान केवल उत्पादक ही नहीं, बल्कि उद्यमी और निर्यातक भी बनेंगे। यादव पटना के गांधी मैदान में कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय की ओर से आयोजित तीन दिवसीय बागवानी दिवस महोत्सव के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन हो चुका है और देश में मखाने का लगभग 80 प्रतिशत उत्पादन राज्य में होता है। मखाना अब परंपरागत खेती से आगे बढ़कर प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और निर्यात के नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

मंत्री ने कहा कि भागलपुर का जर्दालु आम, शाही लीची, कतरनी चावल, मगही पान, मखाना और मर्चा धान जैसे राज्य के कई कृषि उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिल चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सपना है कि हर भारतीय की थाली में कम से कम एक बिहारी व्यंजन हो। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए कृषि विभाग लगातार काम कर रहा है।

सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा पर राहुल गांधी के उपदेश की जरूरत नहीं : अनुराग ठाकुर

वडोदरा/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मोदी सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर उनके उपदेश की जरूरत नहीं है। ठाकुर ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर अपने शासनकाल के दौरान भारतीय क्षेत्र को चीन को सौंपने का आरोप लगाया। उन्होंने राजीव गांधी फाउंडेशन को कथित तौर पर चीन से प्राप्त धनराशि का विवरण भी सार्वजनिक करने की मांग की। ठाकुर गुजरात के वडोदरा शहर में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भाजपा नेता ने डोकलाम गतिरोध और भारत की चीन नीति पर लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''ये वही लोग हैं जिनकी सरकारों ने चीन को जमीन दे दी और बदले में राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए धन प्राप्त किया। अब यही लोग हमसे सवाल कर रहे हैं?''

मेघालय खदान विस्फोट: दो व्यक्ति गिरफ्तार, मुख्यमंत्री ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलॉन्ग/भाषा। मेघालय पुलिस ने एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बृहस्पतिवार को इस विस्फोट में 18 लोगों की जान चली गई है। वहीं, मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने जोर देकर कहा है कि उनकी सरकार इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आई. नोंगरांग ने कहा कि इन दो लोगों की गिरफ्तारी के अलावा घटना के संबंध में एक तीसरे व्यक्ति की भी पहचान की गई है और मामले में जांच की जा रही है। पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के सुदूरवर्ती थांगस्कू इलाके में एक अवैध कोयला खदान में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में कम से कम 18 खनिक मारे गए थे और आठ अन्य घायल हो गए थे।

घायल हुए आठ खनिकों में से सात की पहचान हो चुकी है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि इनमें से चार नेपाल से, दो असम से और एक स्थानीय नागरिक है। उन्होंने बताया कि इन सभी का शिलॉन्ग के अस्पतालों में इलाज हो रहा है। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।''

इस बीच मुख्यमंत्री ने दो कैबिनेट मंत्रियों को घटनास्थल का दौरा करने, अधिकारियों से मिलने तथा राहत एवं बचाव और कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और खनन विभाग के अधिकारी पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद हैं। संगमा ने कहा कि पुलिस को इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं और चेतावनी दी है कि अवैध खनन गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खनन की शुरुआत के साथ खनिकों से उम्मीद की जाती है कि वे वैध खनन लाइसेंस के लिए आवेदन करें और यह विकल्प अब उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं अब नहीं होनी चाहिए।

ओडिशा सरकार एक से 14 अप्रैल तक 'उड़िया पक्ष' मनाएगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने उत्कल दिवस एक अप्रैल से लेकर ओडिया नववर्ष 14 अप्रैल तक 'उड़िया पक्ष' मनाने का निर्णय लिया है। राज्य के एक मंत्री ने यह जानकारी दी। उड़िया भाषा, साहित्य और संस्कृति मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल पहली बार 'उड़िया पक्ष' के आयोजन के बाद इस बार इसे बड़े स्तर पर मनाने की तैयारी की गई है। उन्होंने कहा कि इसी को लेकर हाल ही में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों का आयोजन जमीनी स्तर पर करने और आम जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के अलग-अलग विभाग 'उड़िया पक्ष' के दौरान कई तरह की गतिविधियां करेंगे, जिसमें उत्कल दिवस, पारंपरिक पोशाक दिवस, लोक कला दिवस, पारंपरिक खाद्य दिवस, सफाई दिवस, रक्तदान अभियान, उड़िया नामपट्टिका अभियान, आदि शामिल हैं।

सरकार 'उड़िया पक्ष' के लिए एक विशेष लोगो बनाने और एक वेबसाइट शुरू करने की योजना भी बना रही है।

एक 'क्विज़' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, और सभी प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे।

ओडिशा में एक करोड़ रु के इनामी नक्सली दंपति, 17 अन्य नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया : डीजीपी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में एक माओवादी दंपति और 17 अन्य नक्सलियों ने शुक्रवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दंपति में से प्रत्येक पर 55.10 लाख रुपये का इनाम था। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया ने बताया कि यह दंपति भाकपा (माओवादी) के प्रदेश समिति सदस्य निरंजन राउत (45) उर्फ निखिल और उसकी पत्नी रश्मिरा लेंका उर्फ इंदू (42) हैं। इससे पहले, राउत और उसकी पत्नी ने ओडिशा सरकार को एक पत्र लिखकर आत्मसमर्पण करने की इच्छा जताई थी। यहां प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि राउत, लेंका और 13 अन्य ने रायगड़ा के पुलिस अधीक्षक के सामने आत्मसमर्पण किया, जबकि चार अन्य नक्सलियों ने कंधमाल जिले में आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने कुछ हथियार और गोला-बारूद भी पुलिस को सौंपे। खुरानिया ने कहा कि अब राज्य में बहुत कम माओवादी बचे हैं।

भ्रष्टाचार के मामले में आरजी कर अस्पताल के पूर्व अधिकारी के खिलाफ वारंट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के एक मामले में पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली के खिलाफ एक विशेष सीबीआई अदालत ने शुक्रवार को गैर-जमानती वारंट जारी किया।

अली के वकील ने दावा किया कि वह अस्पताल में कथित भ्रष्टाचार मामले में 'व्हिसलब्लोअर' (भंडाफोड़ करने वाले) हैं, इसलिए कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। यह अस्पताल 2024 में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर से बलात्कार और उसकी हत्या के कारण सुर्खियों में रहा था। अलीपुर अदालत में विशेष सीबीआई अदालत के न्यायाधीश ने अली के खिलाफ वारंट जारी करने का आदेश दिया। अली पर केंद्रीय एजेंसी ने संबंधित अवधि के दौरान निविदा प्रक्रिया में अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। अली अदालत में मौजूद नहीं थे। उनके वकील ने न्यायाधीश के सामने कहा कि वह बीमार हैं, जिसके कारण वह सुनवाई के दौरान अदालत में पेश नहीं हो पाए।

जरूरत पड़ी तो टी20 विश्व कप में भारत दो स्पिनरों को खिलाएगा : सूर्यकुमार यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत टी20 विश्व कप में दो स्पिनरों को खिलाने से संकोच नहीं करेगा । उन्होंने साथ ही वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को लेकर चयन की उलझन को 'बहुत अच्छा सिरदर्द' बताया। कुलदीप और वरुण दोनों ने टी20 विश्व कप से पहले भारत की अंतिम श्रृंखला में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों को एक साथ केवल रायपुर में हुए दूसरे टी20 मैच में ही मौका मिला जिसमें भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज की। अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, ''यह एक अतिरिक्त फायदा है कि आपके पास इतने अच्छे गेंदबाज उपलब्ध हैं। लेकिन साथ ही आपको टीम संयोजन भी देखना होता है कि किस प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ किसे खिलाया जाए। ''

भारतीय कप्तान ने कहा, ''अगर जरूरत होगी कि हम दो स्पिनर या दो कलाई के स्पिनर को खिला सकते हैं तो हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। लेकिन वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव जैसे विकल्प होना हमेशा अच्छा होता है। ये दुनिया के बेहतरीन स्पिनरों में से हैं और यह एक बहुत अच्छा सिरदर्द है। ''भारतीय टीम की बल्लेबाजी क्रम में गहराई रखने की पसंद अक्सर चक्रवर्ती और कुलदीप दोनों के एक साथ खेलने में रुकावट बनती है क्योंकि जरूरत पड़ने पर दोनों ज्यादा रन नहीं बना पाते हैं। सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि टीम के पास दाएं हाथ के बल्लेबाजों की तुलना में बाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा होना भी एक अच्छी परेशानी है। ईशान किशन के अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, ''क्या आप चौके-छक्के लगते हुए देखना पसंद नहीं करते? '' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक अच्छी परेशानी है और इस पर जरूरत से ज्यादा बातचीत की जा रही है। इस स्तर पर जब आप बाएं हाथ के स्पिनरों या ऑफ स्पिनरों के खिलाफ काफी क्रिकेट खेल चुके हैं, आप इतना क्रिकेट खेल चुके हैं और इतना अभ्यास कर चुके हैं। '' उन्होंने कहा, ''किसी भी दिन, चाहे स्पिनर गेंदबाजी कर रहा हो या तेज गेंदबाज, और चाहे सामने दो बाएं हाथ के बल्लेबाज हों या दो दाएं हाथ के बल्लेबाज, आपका काम वही करना होता है जो टीम के लिए सबसे बेहतर हो और ऐसा ही हो रहा है। ''

भारत टी20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार : पीटरसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का मानना है कि भारत टी20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार है लेकिन यह तमगा अपने साथ दबाव भी लेकर आता है, खासकर ऐसे प्रारूप में जहां प्रतिष्ठा का कोई खास मतलब नहीं होता।

महान बल्लेबाज पीटरसन ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजी की गहराई उसे मजबूत टीम बनाती है। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट बेहद निर्मम होता है, यहां तक कि मेज़बान टीमों के लिए भी। पीटरसन ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पीटीआई वीडियो से कहा, ''भारत निश्चित तौर पर प्रबल दावेदार है और हर कोई इसे मानेगा। लेकिन टी20 क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। '' टी20 प्रारूप में हालिया शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम को ट्रॉफी जीतने का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। एक स्थिर कोर, मजबूत बल्लेबाजी और अलग-अलग पिचों के अनुसार ढलने में सक्षम गेंदबाजी आक्रमण के साथ टीम घरेलू हालात में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार दिखती है। हालांकि पीटरसन ने चेतावनी दी कि परिस्थितियों से परिचित होना जीत की गारंटी नहीं देता। उन्होंने कहा, ''टी20 क्रिकेट में किसी भी दिन विपक्षी टीम के दो सुपरस्टार खिलाड़ी आपको हरा सकते हैं। '' उन्होंने 2023 वनडे विश्व कप का उदाहरण देते हुए बताया कि वैश्विक टूर्नामेंट में लय कितनी जल्दी बदल सकती है। भारत ने उस टूर्नामेंट में दबदबा बनाया था, लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें हरा दिया। उन्होंने कहा, ''आप दूसरी टीमों के महान खिलाड़ियों के खिलाफ खेलते हैं। यही अंतरराष्ट्रीय खेल है। '' टी20 विश्व कप से पहले भारत के अहम हथियारों में कुलदीप यादव शामिल हैं जो इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। इसके बावजूद पीटरसन ने इस बाएं

सुविचार

जो मुसीबत में भी हार नहीं
मानते जिंदगी उनके आगे
सिर झुका देती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

परीक्षा का उत्सव मनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अत्यंत महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सिर्फ अंकों पर नहीं, जीवन को बेहतर बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए। विद्यार्थी जीवन वह समय होता है, जब किसी व्यक्ति के भविष्य की नींव तैयार होती है। यह समय अनुपयोगी एवं व्यर्थ गतिविधियों में नहीं गंवाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि 'देश में डेटा सस्ता होने का यह मतलब नहीं है कि इंटरनेट पर समय बर्बाद करें।' आज कई विद्यार्थी ऐसा कर रहे हैं। वे पढ़ाई के दौरान कुछ सर्च करने के लिए फोन लेते हैं। उसके बाद इंटरनेट की दुनिया में इतने खो जाते हैं कि एक-दो घंटे बाद ही उससे बाहर निकल पाते हैं। जो विद्यार्थी रोजाना काफी समय मोबाइल फोन के साथ बिताते हैं और उस पर महत्त्वहीन सामग्री देखते हैं, उनके लिए पढ़ाई में रुचि विकसित करना मुश्किल होता है। वे थकान महसूस करने लगते हैं। पढ़ाई से दूरी उन पर मानसिक बोझ डालती है। कई विद्यार्थी सालभर पढ़ाई को गंभीरता से नहीं लेते। वे मोबाइल फोन और फिल्में देखने में समय बिताते हैं। जैसे ही परीक्षा नजदीक आती है, उन्हें बेचैनी होने लगती है। उन्हें पाठ्यपुस्तकें डरावनी लगती हैं। ऐसी नौबत न आए, इसके लिए जरूरी है कि सत्र शुरू होते ही खुद को अनुशासित किया जाए। इंटरनेट का सदुपयोग किया जाए। यह विज्ञान का ऐसा वरदान है, जो विद्यार्थियों के कौशल में निखार ला सकता है। अपने मोबाइल फोन में गणित, विज्ञान, अंग्रेजी और अन्य विषयों से संबंधित ऐप रखेंगे तो उनमें रुचि विकसित होगी।

जो ऐप समय बर्बाद करें, जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव लेकर न आएं, उन्हें हटा देने में ही भलाई है। हर विद्यार्थी को इतना अनुशासित जरूर होना चाहिए। अक्सर देखने में आता है कि कुछ विद्यार्थी खास विषयों से दूर रहते हैं। वे उन्हें कठिन समझते हैं। वे जब उन्हें पढ़ते हैं तो मन पर एक डर छाया रहता है। इस तरह की गई पढ़ाई मेहनत का आधा-अधूरा ही परिणाम दिलाती है। जो विषय कठिन लगता है, उसे कठिन मानने के बजाय यह सोचकर पढ़ाई करनी चाहिए कि इसको विशेष ध्यान की जरूरत है, क्योंकि यही विशेष सफलता दिलाएगा। उस विषय में ज्यादा रुचि लेनी चाहिए। उसका रोजाना अध्ययन करना चाहिए। इंटरनेट की मदद से सहायक अध्ययन सामग्री की मदद ली जा सकती है। कुछ समय बाद वह विषय सबसे आसान लगेगा। हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग में विद्यार्थियों की रुचि बहुत बढ़ी है। इससे उनके परिजन और शिक्षक चिंतित हैं। अगर स्कूली पढ़ाई से संबंधित विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन गेम प्रस्तुत किए जाएं तो इससे विद्यार्थियों को बहुत फायदा होगा। किसी समीकरण को हल करना हो, किसी का मान ज्ञात करना हो, विज्ञान के किसी प्रयोग से जुड़ा प्रश्न हो, व्याकरण से जुड़ी कोई समस्या हो – अगर ये सब बातें ऑनलाइन गेम का हिस्सा बन जाएं तो बच्चों को इसमें आनंद आएगा। साथ ही, उनके ज्ञान में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री द्वारा दी गई यह सलाह अत्यंत प्रासंगिक है कि 'अतीत पर ध्यान केंद्रित करने में समय बर्बाद न करें, आगे आने वाले जीवन के बारे में सोचें।' परीक्षा हमारे जीवन का एक हिस्सा है। यह संपूर्ण जीवन नहीं है। अगर किसी विषय में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए तो दु:खी होने के बजाय अन्य विषयों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रधानमंत्री के ही शब्दों में– 'परीक्षाएं त्योहारों की तरह होती हैं, उनका उत्सव मनाएं।' अगर यह सोच पैदा हो जाए तो परीक्षा के दौरान होने वाली घबराहट गायब हो जाए।

सामयिक

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है।

परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है।

गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे। तकनीक को नकारना समाधान नहीं है, लेकिन उसे बिना नियंत्रण स्वीकार करना भी आत्मघाती है। संतुलन, संवाद और सहभागिता ही बच्चों की सुरक्षा का वास्तविक आधार हैं। गाजियाबाद की तीनों बहनों हो या कूल्लु के किशोर की असमय मृत्यु हमें यह याद दिलाती है कि अगर हमने अभी नहीं संभला, तो यह इलेक्ट्रॉनिक खतरा हमारे घरों, हमारे भविष्य और हमारी संवेदनाओं को निगलता चला जाएगा। यह समय है जागने का, सोचने का और ठोस कदम उठाने का-क्योंकि यह सवाल केवल तकनीक का नहीं, बल्कि जीवन का है।

ट्वीटर टॉक

हमारे देश में बोर्ड के एग्जाम में नंबर लाने वाले बच्चे छोटे-छोटे गांव से हैं, पहले बड़े परिवार और बड़ी स्कूल के बच्चे ही नंबर लाते थे। अभी कुछ दिन पहले में ब्लाइंड क्रिकेट टीम की बच्चियों से मिला, वो जीतकर आई थीं, जब मैंने उनको सुना तो मेरी आंखों में आंसू आ गए।

–अर्जुनराम मेघवाल

भारत रत्न लता मंगेशकर जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। स्वर कोकिला के अमर सुरों ने न सिर्फ देश, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय संगीत को नई पहचान दी। आपकी अनुपम साधना, समर्पण और स्वर-यात्रा सदैव संगीत प्रेमियों को प्रेरित करती रहेगी।

–राज्यवर्धनसिंह राठौड़

मेघालय में कोयला खदान में हुए हृदयविदारक हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकसंतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूँ।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सृजक के सरोकार

मानवीय मूल्यों और सर्वहारा वर्ग के लिए लिखने वाले रूसी उपन्यासकार मैक्सिम गोर्की ने 'मां' जैसा उपन्यास रचकर पूरे विश्व में नाम कमाया था। मुंशी प्रेमचंद उनकी बहुत इज्ज़त करते थे और उन्हें अपना आदर्श मानते थे। जून, 1936 में जब गोर्की का निधन हुआ, तो तपेदिक रोग से बुरी तरह ग्रस्त प्रेमचंद बेचैन हो उठे। रात भर जागकर उन्होंने गोर्की के सम्मान में एक शोक-प्रस्ताव लिखा, जो एक शोक-सभा में पढ़ा जाना था। पत्नी शिव रानी ने यह सब देखकर कहा, 'गोर्की तो हिंदुस्तान के नहीं थे, फिर इतना परेशान क्यों हो रहे हो?' इस पर प्रेमचंद बोले, 'आम आदमी के सुख-दुख से सरोकार रखने वाले और उनके लिए लिखने वाले गोर्की सिर्फ रूस के ही नहीं, पूरी दुनिया के दुलारे थे। इस नाते यह तो बनता ही है कि हम 'अपने' गोर्की के लिए शोक-प्रस्ताव लिखें।'

नजरिया

वायरल संस्कृति : क्या संवेदना खत्म हो रही है?

डॉ. शैलेश शुक्ला
मोबाइल : 9312053330

डिजिटल मीडिया के वर्तमान युग में वायरल होना सफलता का सबसे बड़ा पैमाना बन चुका है। किसी वीडियो, तस्वीर या खबर के लाखों व्यूज़, शेयर और लाइक्स मिल जाना अब पत्रकारिता की उपलब्धि माना जाने लगा है। पहले जहाँ समाचार का मूल्य उसकी सत्यता, सामाजिक प्रभाव और जनहित से आँका जाता था, वहीं आज उसका मूल्य उसकी लोकप्रियता से तय होने लगा है। इस बदलाव ने मीडिया जगत की आत्मा पर गहरा प्रभाव डाला है और यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या वायरल संस्कृति के दबाव में हमारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। वायरल संस्कृति का जन्म सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के विस्तार के साथ हुआ। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य डिजिटल माध्यमों ने सूचना के प्रसार को अत्यंत सरल और तेज बना दिया। अब कोई भी घटना मिनटों में दुनिया भर में फैल जाती है। इस सुविधा ने जहाँ पारदर्शिता बढ़ाई, वहीं प्रतिस्पर्धा को भी अत्यधिक तीव्र कर दिया। हर डिजिटल मीडिया संस्थान और कंटेंट क्रिएटर यह चाहता है कि उसका कंटेंट सबसे अधिक देखा जाए। इसी होड़ में कई बार गंभीरता और संवेदनशीलता पीछे छूट जाती है। आज दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं, पारिवारिक विवादों, बीमारियों और निजी दुखों तक को कंटेंट के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। किसी व्यक्ति के जीवन की सबसे पीड़ादायक घड़ी भी कैमरे की नजर से बच नहीं पाती। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति, रोते हुए परिजन, अस्पताल में तड़पता मरीज-सब कुछ वायरल वीडियो बन जाता है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि हम धीरे-धीरे मानवीय संवेदना से दूर होते जा रहे हैं और दुख को भी मनोरंजन में बदलते जा रहे हैं। डिजिटल मीडिया की संरचना भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है। सोशल मीडिया एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को अधिक प्रमोट करते हैं जो भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करे-चाहे वह गुस्सा हो, डर हो या सनसनी। शांत, संतुलित और तथ्यात्मक खबरें अक्सर कम वायरल होती हैं। इसके विपरीत, चौंकाने वाले शीर्षक, अतिरंजित प्रस्तुतियाँ और विवादास्पद वीडियो तेजी से फैलते हैं। परिणामस्वरूप, मीडिया संस्थान भी अनजाने में इसी दिशा में आगे बढ़ने लगते हैं। इसका सीधा प्रभाव पत्रकारिता की गुणवत्ता पर पड़ता है। जब लक्ष्य केवल व्यूज़ और ट्रैफिक बन जाए, तो गहन शोध, तथ्य-जांच और संतुलित विश्लेषण का महत्व घट जाता है। कई बार बिना पुष्टि के खबरें प्रकाशित कर दी जाती हैं। बाद में खंडन भले ही आ जाए, पर तब तक नुकसान हो चुका होता है। व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सामाजिक सौहार्द और सार्वजनिक विश्वास को चोट पहुँचती है। युवा पीढ़ी पर वायरल संस्कृति का प्रभाव विशेष रूप से गहरा है। आज अनेक युवा इन्फ्लुएंसर बनने के सपने देखते हैं। इसके लिए वे कभी खतरनाक स्टंट करते हैं, कभी निजी जीवन को सार्वजनिक करते हैं, तो कभी विवाद खड़ा करने की कोशिश करते हैं। यह प्रवृत्ति उन्हें मानसिक दबाव, असुरक्षा और अस्थिरता की ओर ले जाती है। लाइक्स और फॉलोअर्स की संख्या उनके आत्मसम्मान का आधार बन जाती है, जो स्वस्थ मानसिक विकास के लिए घातक है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समाज को जागरूक करना, सत्ता से सवाल करना और जनहित की रक्षा करना है।

परंतु वायरल संस्कृति में यह उद्देश्य कमजोर पड़ता जा रहा है। गंभीर मुद्दे-जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, पर्यावरण और ग्रामीण समस्याएँ-अक्सर पीछे छूट जाती हैं, क्योंकि वे तुरंत वायरल नहीं होतीं। इसके स्थान पर व्यक्तिगत विवाद, सेलिब्रिटी गॉसिप और भावनात्मक वीडियो अधिक स्थान घेर लेते हैं। हालाँकि यह कहना भी उचित नहीं होगा कि डिजिटल मीडिया केवल नकारात्मक दिशा में जा रहा है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म और पत्रकार आज भी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम कर रहे हैं। वे मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हैं। अनेक स्वतंत्र पत्रकार और पोर्टल गहन रिपोर्टिंग और तथ्यपरक विश्लेषण के माध्यम से डिजिटल मीडिया की गरिमा बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता बढ़ाना आज समय की आवश्यकता है, ताकि पाठक और दर्शक स्वयं यह समझ सकें कि कौन-सी खबर विश्वसनीय है और कौन-सी भ्रामक। केवल सनसनीखेज कंटेंट को बढ़ावा न देकर, जिम्मेदार पत्रकारिता को समर्थन देना नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। मीडिया संस्थानों को भी आत्ममंथन करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि अल्पकालिक लोकप्रियता के लिए दीर्घकालिक विश्वसनीयता को दांव पर लगाना आत्मघाती सिद्ध हो सकता है। संवेदनशील विषयों पर रिपोर्टिंग के लिए स्पष्ट आचार संहिता बनानी होगी। पीड़ितों की गरिमा, निजता और सम्मान को प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षण संस्थानों में पत्रकारिता छात्रों को केवल तकनीकी कौशल ही नहीं, बल्कि नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण भी सिखाया जाना चाहिए। भविष्य के पत्रकार यदि संवेदनशील और जिम्मेदार होंगे, तभी मीडिया समाज का सच्चा दर्पण बन सकेगा।

अंततः यह कहना उचित होगा कि वायरल संस्कृति एक वास्तविकता है, जिसे पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। परंतु इसे नियंत्रित और संतुलित करना आवश्यक है। यदि हमने संवेदना, सत्य और जिम्मेदारी को त्याग दिया, तो डिजिटल मीडिया केवल शोर का माध्यम बनकर रह जाएगा। लेकिन यदि हम लोकप्रियता और नैतिकता के बीच संतुलन बना सकें, तो यही माध्यम समाज को नई दिशा देने का सशक्त उपकरण बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वायरल होने से अधिक विश्वसनीय होने को महत्व दें। तभी डिजिटल मीडिया अपनी सामाजिक भूमिका को सार्थक रूप से निभा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रूस और अमेरिका ने परमाणु हथियारों पर चर्चा की, वार्ता जल्द शुरू करने पर बनी सहमति : क्रेमलिन

मॉस्को/एपी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस और अमेरिका के वार्ताकारों ने दोनों देशों के बीच शेष परमाणु हथियार नियंत्रण संधि की अवधि समाप्त होने पर चर्चा की और नई हथियार नियंत्रण वार्ता को शीघ्र शुरू करने की आवश्यकता पर सहमति जताई।

'न्यू स्टार्ट' संधि बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। इस तरह, आधी सदी से अधिक समय में पहली बार दुनिया के दो सबसे बड़े परमाणु हथियार भंडार रखने वाले देशों पर कोई सीमा नहीं रह गई है, जिससे बिना नियंत्रण के परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि रूसी और अमेरिकी वार्ताकारों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इस मुद्दे पर चर्चा की, जहां रूसी, यूक्रेनी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों ने यूक्रेन में शांति समझौते पर दो दिनों तक बातचीत की। पेस्कोव ने कहा, ''एक सहमति बनी है, और उन्होंने आबू धाबी में इस बारे में बात भी की कि दोनों पक्ष जिम्मेदाराना रुख अपनाएंगे और दोनों देश इस मुद्दे पर जल्द से जल्द बातचीत शुरू करने की आवश्यकता को समझते हैं।''

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि यदि वॉशिंगटन भी सहमत हो तो रूस एक वर्ष तक और संधि की सीमाओं का पालन करने के लिए तैयार है। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रस्ताव को नजरअंदाज किया और कहा कि वह चीन को भी किसी नई संधि में शामिल करना चाहते हैं, हालांकि इसे बीजिंग पहले ही खारिज कर चुका है।

ट्रंप ने बृहस्पतिवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, ''न्यू स्टार्ट (अमेरिका द्वारा खराब तरीके से की गई संधि, जिसका गंभीर उल्लंघन किया जा रहा है) को बढ़ाने के बजाय हमें अपने परमाणु विशेषज्ञों को एक नई, बेहतर और आधुनिक संधि पर काम करने देना चाहिए, जो लंबे समय तक टिक सके।'' 'एक्सियोस' की उस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने पर, जिसमें दावा किया गया था कि रूसी और अमेरिकी वार्ताकारों ने कम से कम छह महीने तक समझौते की सीमाओं का पालन करने के लिए एक संभावित अनौपचारिक समझौते पर चर्चा की थी, पेस्कोव ने जवाब दिया कि ऐसा कोई भी विस्तार केवल औपचारिक हो सकता है। उन्होंने कहा, ''स्पष्ट रूप से इसके प्रावधानों को केवल औपचारिक रूप से ही बढ़ाया जा सकता है। किसी भी अनौपचारिक विस्तार की कल्पना नहीं की जा सकती।''

पेस्कोव ने बृहस्पतिवार को कहा था कि मॉस्को संधि की अवधि खत्म होने को ''नकारात्मक'' रूप से देखता है और इस पर खेद व्यक्त करता है। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ''यदि हमें रचनात्मक प्रतिक्रियाएं मिलती हैं, तो हम निश्चित रूप से बातचीत करेंगे।'' इस बीच, न्यू स्टार्ट संधि की अवधि समाप्त होने के बावजूद, अमेरिका और रूस ने बृहस्पतिवार को उच्चस्तरीय सैन्य संवाद दोबारा शुरू करने पर सहमति जताई। यूरोप में अमेरिकी सैन्य कमान ने बताया कि यह सहमति अबू धाबी में दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के बाद बनी। यह संवाद 2021 में उस समय निलंबित कर दिया गया था, जब फरवरी 2022 में यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती से पहले मॉस्को और वॉशिंगटन के संबंधों में भारी तनाव आ गया था। वर्ष 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनके रूसी समकक्ष दिमित्री मेदवेदेव द्वारा हस्ताक्षरित न्यू स्टार्ट संधि, 1972 में 'साल्ट आई' से शुरू हुई थी।

कई आसियान देशों के साथ भारत के संबंधों में साझा बौद्ध विरासत महत्वपूर्ण पहलू: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि कई आसियान देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय संबंधों में साझा बौद्ध विरासत एक महत्वपूर्ण पहलू है।

विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति का उद्देश्य आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना और रणनीतिक संबंध विकसित करना है, जिसमें दक्षिण पूर्व एशिया के देश भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि हाल की 'बोधि यात्रा' और संबंधित पहल ने दक्षिण पूर्व एशिया में 'भारत की बौद्ध कूटनीति' को किस तरह आगे बढ़ाया है और आसियान देशों के साथ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को किस तरह मजबूत किया है।

यह भी पूछा गया था कि सरकार सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से आसियान देशों के साथ जुड़ाव को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए कौन सी विशिष्ट दीर्घकालिक रणनीतियां बना रही है। मार्गेरिटा ने कहा, ''भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति का उद्देश्य आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना और रणनीतिक संबंध विकसित करना है, जिसमें दक्षिण पूर्व एशिया के देश भी शामिल हैं। कई आसियान देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय स्तर पर संबंधों में साझा बौद्ध विरासत एक महत्वपूर्ण पहलू है।'' उन्होंने कहा कि बौद्ध भिक्षुओं, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की नियमित यात्राओं से सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध मजबूत होते हैं।

'घूसखोर पंडत' विवाद पर मनोज बाजपेयी ने तोड़ी चुप्पी, बोले- 'लोगों की भावनाओं का करता हूं सम्मान'

मुंबई/एजेन्सी

नेटफ्लिक्स की आगामी वेब सीरीज 'घूसखोर पंडत' रिलीज होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। विवाद की वजह इसका टाइटल है, जिसे लेकर ब्राह्मण समुदाय के कुछ वर्गों ने आपत्ति जताई है। मामला इतनी तेजी से आगे बढ़ा कि दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका, लखनऊ में एफआईआर और देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन तक पहुंच गया। इसी बीच अब इस पूरे विवाद पर सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने फिल्ममेकर नीरज पांडे के आधिकारिक बयान को शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखी है। मनोज बाजपेयी ने अपने पोस्ट में सबसे पहले लोगों की भावनाओं को सम्मान देने की बात कही। उन्होंने लिखा, लोगों ने जो भावनाएं और चिंताएं साझा की हैं, मैं उनका सम्मान करता हूं और उन्हें गंभीरता से लेता हूं। जब आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा होते हैं जिससे कुछ लोगों को ठेस पहुंचती है, तो वह आपको रुककर सोचने और सुनने के लिए मजबूर करती है। एक

अभिनेता के तौर पर मैं किसी फिल्म या सीरीज से अपने किरदार और कहानी के माध्यम से जुड़ता हूं। मेरे लिए यह एक कमियों से भरे व्यक्ति और उसकी आत्मबोध की यात्रा को दर्शाने का प्रयास था। इसका उद्देश्य किसी भी समुदाय के बारे में कोई बयान देना नहीं था।

मनोज बाजपेयी ने अपने पोस्ट में निर्देशक नीरज पांडे के साथ अपने लंबे अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ''नीरज पांडे के साथ काम करते हुए मैंने हमेशा यह देखा है कि वे अपनी फिल्मों को लेकर गंभीरता और सावधानी बरतते हैं। जनभावनाओं को देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने सभी प्रमोशनल मटेरियल को हटाने का फैसला लिया है।''विवाद तब शुरू हुआ जब नेटफ्लिक्स के 'नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स' इवेंट में 'घूसखोर पंडत' का फर्स्ट लुक और टीजर सामने आया। इसके तुरंत बाद फिल्म के टाइटल को लेकर आपत्तियां उठने लगीं। आलोचकों का कहना था कि 'घूसखोर' जैसे नकारात्मक शब्द के साथ 'पंडत' शब्द का इस्तेमाल ब्राह्मण समुदाय की छवि को ठेस पहुंचाता है।इसके बाद मुंबई के एक वकील ने लीगल नोटिस भेजा, दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर हुई, और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एफआईआर भी दर्ज की गई। भोपाल समेत कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए और फिल्म पर बैन की मांग की गई।

विवाद बढ़ने के बाद निर्देशक नीरज पांडे ने भी आधिकारिक बयान जारी कर साफ किया कि यह एक पूरी तरह काल्पनिक पुलिस ड्रामा है और 'पंडत' शब्द सिर्फ एक फिक्शनल किरदार का बोलचाल का नाम है। उन्होंने माना कि टाइटल से कुछ लोगों को ठेस पहुंची है और इसी कारण फिलहाल सभी प्रमोशनल सामग्री हटाने का फैसला लिया गया है।

'यादव जी की लव स्टोरी' का टीज़र लॉन्च

मुंबई/एजेन्सी

यादव जी की लव स्टोरी के पहले लुक पोस्टर से उत्सुकता पैदा करने के बाद, ओम ठाकुरानी प्रोडक्शन और निर्माता संदीप तोमर ने फिल्म का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज़ कर उत्साह को एक नए स्तर पर पहुँचा दिया है। यह टीज़र दर्शकों को फिल्म की दुनिया की झलक दिखाता है और एक हार्ड-हिटिंग कहानी के बीच प्रमुख किरदारों से परिचय कराता है, जिसमें एक्शन, रोमांस और भावनाओं का दमदार संगम देखने को मिलता है। फिल्म में प्रतिभाशाली कलाकारों की शानदार टीम है, जिसमें प्रगति तिवारी, विशाल मोहन, अंकित भडाना, सुविंदर विक्की, मानसी रावत और दीपक कपूर शामिल हैं। टीज़र अपनी प्रभावशाली कहानी और सशक्त प्रस्तुति के साथ पहले ही पल में दर्शकों का ध्यान खींच लेता है। अंकित भडाना द्वारा निर्देशित और आयस्कांत तोमर द्वारा लिखित यादव जी की लव स्टोरी में आत्मा को छू लेने वाला संगीत है, जो फिल्म की थीम के साथ बेहद खूबसूरती से जुड़ता है। यह फिल्म एक सामाजिक रूप से संवेदनशील और बहस के केंद्र में रहे विषय को ईमानदार दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करती है। 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही यादव जी की लव स्टोरी एक महत्वपूर्ण फिल्म के रूप में उभरती नज़र आती हैजो संवाद को जन्म देने, सामाजिक तनावों को प्रतिबिंबित करने और यह दिखाने का प्रयास करती है कि व्यक्तिगत रिश्ते किस तरह बड़े वैचारिक टकरावों का आईना बन जाते हैं। फिल्म का संगीत विष्णु नारायण और प्रगति म्यूज़िक ने तैयार किया है, जबकि गीतों को रोहित सरधना और प्रगति म्यूज़िक ने लिखा है।

मेरे कैरियर में मेरा धर्म कभी बाधा नहीं बना- जोया अफरोज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के 'कम्युनल' वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा

नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए।

जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए।'गांधी टॉक्स' की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है। किशोर बेलेकर द्वारा निर्देशित फिल्म में अदिति राव हैदरी, विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

'तू या मैं' में विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे कैरियर का सबसे खास अनुभव रहा : पारुल गुलाटी

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार के करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट आते हैं, जो उनके सीख और आत्मविश्वास का जरिया बन जाते हैं। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए उनकी आने वाली फिल्म 'तू या मैं' कुछ ऐसा ही प्रोजेक्ट है। इस फिल्म के जरिए उन्हें मशहूर निर्देशक विजय नांबियार के साथ काम करने का मौका मिला है। इसको लेकर पारुल का कहना है कि यह फिल्म उनके करियर का सबसे खास अनुभव है। इस सफर ने उन्हें एक कलाकार के रूप में और मजबूत बनाया है। फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए पारुल गुलाटी ने कहा, ''विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा रहा। मैं पहले से ही उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। उनकी फिल्मों में कहानी कहने का तरीका, किरदारों की गहराई और फिल्म का माहौल ऐसा होता है कि फिल्म खत्म होने के बाद भी उसका असर मन पर बना रहता है। ऐसे निर्देशक के साथ काम करना सम्मान की बात है।'' पारुल ने कहा, ''जिस निर्देशक के काम को आप सालों से देखते और पसंद करते आए हों, उसी के निर्देशन में कैमरे के सामने खड़ा होना बहुत खास एहसास देता है। 'तू या मैं' ने मुझे यही मौका दिया। इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक, मानसिक और अभिनय के स्तर पर खुद को और बेहतर समझने का अवसर दिया। यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास है।'इस फिल्म में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।अपने सह-कलाकारों के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा, ''उनके साथ काम करना इस सफर को और भी खूबसूरत बनाता है। आदर्श गौरव बेहद ईमानदार और मेहनती अभिनेता हैं।

मधुर भंडारकर ने 'द वाइव्स' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

लगातार कई नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, चांदनी बार, पेज 3, फैशन, हीरोइन, ट्रैफिक सिग्नल और बबली बाउंसर जैसी अपनी दमदार और सामाजिक सिनेमा के लिए मशहूर टैलेंटेड डायरेक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग ऑफिशियली पूरी कर ली है। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं। 'द वाइव्स' के साथ, भंडारकर एक बार फिर बॉलीवुड के अंडरबेली की ओर अपना लेंस घुमाते हैं, ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। इंसानी रिश्तों और सोशल डायनामिक्स की कच्ची सच्चाई को कैप्चर करने के लिए जाने जाने वाले, फिल्ममेकर एक ऐसी कहानी का वादा करते हैं जो इंटिमेट, लेयर्ड और बहुत रेलिवेंट है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मधुर भंडारकर ने शेयर किया, 'द वाइव्स' एक ऐसी कहानी है जो स्पॉटलाइट से आगे बढ़कर उन पर्सनल लाइफ को देखती है जो अक्सर फेम के आगे दब जाती हैं। यह इमेज और सक्सेस से चलने वाली दुनिया में रिश्तों, एम्बिशन, इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है। मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई।

पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है। उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है। 'द वाइव्स' बोल्ड, सोचने पर मजबूर करने वाली और इमोशनल रूप से ड्रिवन है, और मेरा मानना है कि यह उन ऑडियंस के दिल को छू जाएगी जो मीनिंगफुल सिनेमा पसंद करते हैं।

भंडारकर एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस की गई, 'द वाइव्स' इंडिया लॉकडाउन के बाद प्रणव जैन के साथ मधुर भंडारकर की दूसरी कोलेबोरेशन है, यह फिल्म अपनी टाइमलाइन और रियलिस्टिक स्टोरीटेलिंग के लिए काफी पसंद की गई थी। इस प्रोजेक्ट के साथ, यह जोड़ी एक बार फिर आज की सच्चाई पर आधारित कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा को सपोर्ट करने के लिए साथ आई है। फिल्म को भंडारकर एंटरटेनमेंट और पीजे मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है।

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है 'दो दीवाने शहर में' : संदीपा धर

मुंबई/एजेन्सी

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने शहर में' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक-दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। एक सीन में अभिनेत्री हरे रंग की खूबसूरत ड्रेस में और दूसरे में सिंपल-एलीगेंट लुक में नजर आ रही हैं।

संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में 'दो दीवाने सहर में' से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है।

संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो। वहीं, रवि उदय सर, आप पलों को ऐसे कैद करते हैं कि मैं उन्हें महसूस करती हूं। अभिरूचि आनंद और पूरी टीम को शुक्रिया। हालांकि, फिल्म में संदीपा के किरदार से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन ट्रेलर देखकर पता चलता है कि फिल्म में अभिनेत्री को एक फ्रेश, कॉन्फिडेंट और खूबसूरत अंदाज में देखा जाएगा।

'तन्वी द ग्रेट' की तारीफ पर अनुपम खेर ने जताया आभार, कहा- कभी-कभी सिनेमा सच में जादू कर देता है

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यह फिल्म हाल ही में मुंबई के प्रतिष्ठित काला घोड़ा आर्ट्स फेस्टिवल में दिखाई गई, जहां इसको हर किसी ने पसंद किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम के जरिए इस फेस्टिवल का दिल से शुक्रिया अदा किया। अनुपम ने इवेंट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि ऐतिहासिक फेस्टिवल में उनकी फिल्म दिखाने का मौका मिलना गर्व की बात है। अभिनेता ने लिखा, फेस्टिवल का माहौल, जगह और व्यवस्था बहुत अच्छी लगी। सभी वॉलंटियर्स ने भी कमाल का काम किया। अनुपम ने यह भी कहा कि फिल्म देखने के बाद वहां के लोगों की प्रतिक्रिया देखकर वे काफी भावुक हो गए थे। उन्होंने लिखा, लोग तालियां बजा रहे थे, हंस रहे थे, और कुछ की आंखों में आंसू भी थे। मॉडरेटर जूही ने बहुत संवेदनशीलता और गर्मजोशी से सेशन संभाला।

अनुपम ने बताया कि सवाल-जवाब सेशन दिल छूने वाला पल था। उस दौरान एक सज्जन भावुक हो गए थे। उन्होंने लिखा, फिल्म में लीड अभिनेत्री शुभांगी दत्त का अभिनय देखकर उन सज्जन को अपने 25 साल के ऑटिस्टिक बेटे की याद आ गई। मैंने उनसे कहा कि घर जाकर बेटे को मेरी तरफ से गले जरूर लगाएं। उसके बाद सज्जन ने बताया कि उनके बेटे का हाल ही में निधन हो गया है, लेकिन तन्वी के किरदार ने उन्हें थोड़ा सुकून दिया।अभिनेता ने आखिरी में लिखा कि कभी-कभी सिनेमा सच में जादू कर देता है, खासतौर पर तन्वी द ग्रेट जैसी फिल्में। फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में अनुपम ने अभिनय के साथ निर्देशन भी किया। इसमें शुभांगी दत्त मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक ऑटिस्टिक लड़की की है, जो दुनिया को अपने नजरिए से देखती है और बाधाओं को पार करती है। फिल्म ने दर्शकों के दिल जीते और ऑटिज्म के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाई।

प्रदर्शन

वाराणसी में शुक्रवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र कैंपस में जाति के आधार पर भेदभाव को रोकने के लिए यूजीसी रेगुलेशन के सपोर्ट में एक मार्च में हिस्सा लेते हुए।

जोस के. मणि ने केरल कांग्रेस (जोसेफ) को एलडीएफ में आने का न्योता दिया

कोट्टयम (केरल)/भाषा। केरल कांग्रेस (मणि) के अध्यक्ष जोस के. मणि ने शुक्रवार को कहा कि यदि केरल कांग्रेस (जोसेफ) को संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के भीतर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो वह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में शामिल हो सकती है।

केरल कांग्रेस (जोसेफ) और यूडीएफ के अन्य सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही वार्ता के संबंध में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए मणि ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा, जोसेफ गुट को ''संरक्षण'' प्रदान कर सकता है।यूडीएफ में सीट बंटवारे को लेकर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। उन्होंने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि दोनों गुट एक ही मूल पार्टी से हैं। पहले हमारा विलय हो गया था, लेकिन इसके कारण हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अगर उन्हें (जोसेफ को) वहां (यूडीएफ में) कोई समस्या है, तो हम यहां (एलडीएफ में) संरक्षण दे सकते हैं।''

के. एम. मणि के नेतृत्व वाली केरल कांग्रेस (मणि) और पी. जे. जोसेफ के नेतृत्व वाली केरल कांग्रेस (जोसेफ) का 2010 में विलय हुआ था, लेकिन 2020 में मणि के निधन के बाद दोनों दल अलग हो गए। पहले यूडीएफ का हिस्सा रही केरल कांग्रेस (मणि) ने बाद में एलडीएफ का दामन थाम लिया।

मणि ने दोनों पार्टियों के बीच किसी भी तरह के विलय की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''हम संरक्षण प्रदान कर सकते हैं, विलय नहीं (कर सकते)।'' उन्होंने कहा कि केरल कांग्रेस (जोसेफ) के नेता इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''यह उनका निर्णय है, लेकिन उन्हें यूडीएफ में रहते हुए सावधानी बरतनी चाहिए।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि एलडीएफ के चुनावी घोषणापत्र में किए गए 96 प्रतिशत वादे पूरे किए जा चुके हैं।

स्कूल में ड्यूटी करने से डर रही हैं प्रधानाध्यापिका

कोल्लम (केरल)/भाषा। केरल के एक सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में दो दिन पहले चूड़ीदार पहनने के कारण कथित तौर पर प्रवेश करने से रोकी गई प्रधानाध्यापिका ने शुक्रवार को दावा किया कि स्कूल प्रबंधक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं किए जाने की वजह से उन्हें वहां काम जारी रखने से डर लग रहा है।

प्रधानाध्यापिका ने घटना के पीछे प्रबंधक का हाथ होने का आरोप लगाया।

प्रधानाध्यापिका सिंधु एस. नायर ने एक टेलीविजन चैनल के साथ बातचीत में दावा किया, ''सुरक्षा गार्ड शशांक को प्रबंधक ने नियुक्त किया था और वह स्थायी कर्मचारी नहीं था। उसे गिरफ्तार करके एक तरह का छलावा रचा गया है। उसने खुद कहा कि उसने प्रबंधक के निर्देशों पर काम किया था, फिर भी प्रबंधक को शुरू में आरोपी नहीं बनाया गया।''

नायर ने कहा कि उन्हें संदेह है कि स्कूल प्रबंधन उनसे बदला लेने की फिराक में है और उन्होंने दोहराया कि वह ''वर्तमान परिस्थितियों में स्कूल में काम जारी रखने से डरती हैं।''

उनकी टिप्पणियों के बाद पुलिस ने स्कूल प्रबंधक को इस मामले में आरोपी के रूप में नामित किया।

कोट्टारक्कारा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शुरू में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 126 (गलत तरीके से रोकना) और 79 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्द या कार्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

प्रबंधक को आरोपी के रूप में शामिल किए जाने के बाद अधिनियम की धारा 49 (उकसाना) और 3(5) भी लागू की गई।

अधिकारियों के अनुसार, नायर को बुधवार सुबह लगभग नौ बजे स्कूल पहुंचते ही स्कूल प्रबंधक के निर्देश पर सुरक्षाकर्मियों ने परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया।

इसके बाद उन्होंने पुलिस को बुलाया और कोट्टारक्कारा थाने के अधिकारियों के आने के बाद ही उन्हें स्कूल में प्रवेश करने की अनुमति मिली। टेलीविजन पर दिखाए गए दृश्यों में प्रधानाध्यापिका को स्कूल के गेट के बाहर मिड डे मील के लिए लाए गए अंडों की ट्रे लिए बैठा हुआ देखा जा सकता है।

स्कूल प्रबंधक ने अब तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पुलिस और जिला शिक्षा कार्यालय (डीईओ) के अधिकारियों ने कहा है कि स्कूल प्रबंधक को प्रधानाध्यापिका को स्कूल में प्रवेश करने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है। डीईओ के एक अधिकारी ने यह भी कहा कि एक सरकारी आदेश स्कूलों में चूड़ीदार पहनने की अनुमति देता है।

मुंबई को 120 रन पर आउट करने के बाद कर्नाटक ने बनाया दबदबा

मुंबई/भाषा। प्रसिद्ध कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा और श्रेयस गोपाल की शानदार गेंदबाजी के बाद मयंक अग्रवाल की नाबाद अर्धशतकीय पारी से कर्नाटक ने शुक्रवार को यहां रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन मुंबई के खिलाफ अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली। मुंबई का पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय उल्टा पड़ गया क्योंकि कर्नाटक के गेंदबाजों ने मेजबान टीम की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध (21 रन पर तीन विकेट) और कावेरप्पा (38 रन पर तीन विकेट) तथा लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल (चार रन पर तीन विकेट) ने तीन-तीन विकेट लेकर मुंबई को 48.1 ओवर में 120 रन पर आउट कर दिया।

दिन का खेल खत्म होते समय कर्नाटक ने दो विकेट पर 110 रन बना लिए। वह मुंबई से अब सिर्फ 10 रन पीछे हैं और उसके आठ विकेट बचे है। मयंक 81 गेंदों पर 54 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है।

मुंबई की शुरुआत कमजोर रही। यशस्वी जायसवाल, मुशीर खान और सिद्धेश लाड के रूप में टीम ने 14 ओवर में 39 रन तक तीन विकेट गंवा दिये।

स्थापना

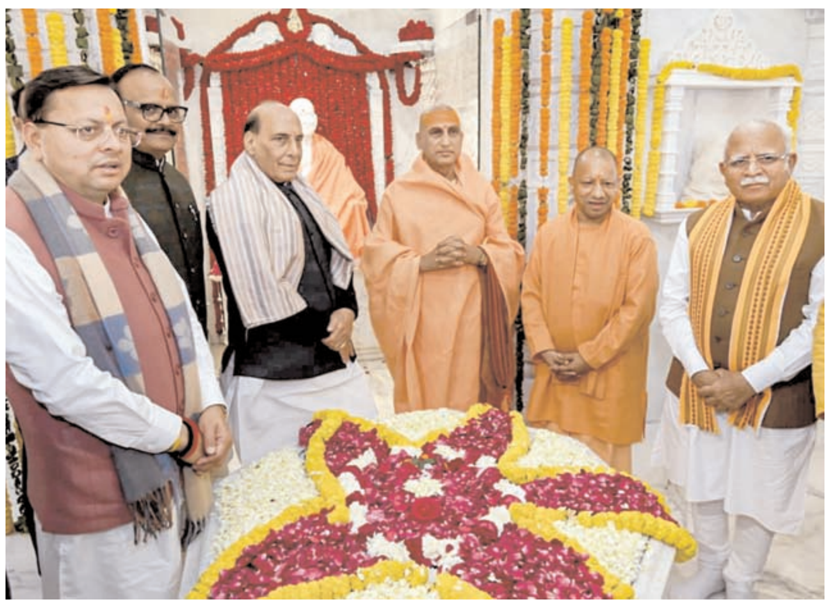

हरिद्वार में शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और स्वामी अवधेशानंद गिरी, हरिद्वार में गुरुदेव समाधि मंदिर में मूर्ति स्थापना समारोह के दौरान।

अलसूर के जैन युवक संघ ने की 'बजट पर चर्चा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन युवक संघ अलसूर ने 'बजट पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया। जैन भवन में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत युवक संघ के मंत्री संजय सुराणा के मंगलाचरण के साथ हुई। अध्यक्ष लोकेश तातेड़ ने प्रमुख वक्ता चार्टर्ड अकाउंटेंट तरुण मुरड़िया व दीपक कोठारी का परिचय दिया। श्रावक संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा एवं मंत्री अभयकुमार बांठिया की उपस्थिति में आयोजित चर्चा को संबोधित करते हुए तरुण मुरड़िया ने बजट का संक्षिप्त सार बताते हुए आयकर व संबंधित धाराओं की जानकारी दी। उन्होंने इस साल के बजट में प्रस्तावित महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में बताते हुए जिज्ञासुओं की शंकाओं का समाधान किया। दीपक कोठारी ने अप्रत्यक्ष कर विशेषतः जीएसटी कानूनों में हुए नवीन संशोधनों एवं प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए व्यापार, अनुपालन एवं व्यावसायिक प्रक्रियाओं पर उनके प्रभाव को स्पष्ट किया।

गोपालचंद खिंवसरा

कोमल कुमार गाँधी

खिंवसरा बने साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष, गाँधी बने मंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय साधुमार्गी जैन संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष गोपालचंद खिंवसरा ने नए पदाधिकारियों की नियुक्ति करते हुए कोमल कुमार गाँधी को मंत्री एवं पारसमल मुणोत को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। उत्क्रांति प्रणेता आचार्यश्री रामेश के आयामों से हर व्यक्ति को जुड़ने का आह्वान करते हुए उन्होंने संघ को प्रगति के नए शिखर पर पहुँचाने की भावना व्यक्त की और कहा कि शीघ्र ही सम्पूर्ण कार्यकारिणी की घोषणा एवं विभिन्न संघ प्रवृतियों के संयोजक नियुक्त किए जाएंगे।

बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध अन्य देशों के साथ रिश्तों से अलग : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध अन्य देशों के साथ उसके संबंधों से अलग हैं और नई दिल्ली की नजर राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर बनी रहती है तथा उनकी रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाते हैं।

लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन के बारे में ''अंतरिम सरकार को सभी संबंधित वार्ताओं में जानकारी दी गई है।''

एक और प्रश्न के लिखित उत्तर में, मंत्री ने कहा कि वह ''पड़ोस में होने वाले घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखती है'', खासकर उनपर जिनका भारत की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर असर पड़ता है।

सिंह ने कहा, ''सरकार भारत के पड़ोसियों के साथ उसके संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जो बहुआयामी हैं और आपसी हितों, संवेदनशीलता और मौजूदा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार विकसित होते हैं।''

विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध वर्तमान में एक ''संवेदनशील दौर'' से गुजर रहे हैं और क्या पाकिस्तान इस स्थिति का ''फायदा उठाने की कोशिश'' कर रहा है, जो देश के लिए हानिकारक हो सकता है।

जवाब में सिंह ने कहा, ''भारत और बांग्लादेश, पड़ोसी देशों के रूप में, प्रगाढ़ ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक संबंध साझा करते हैं। हमारे द्विपक्षीय संबंध लोगों के विकास पर केंद्रित हैं। दोनों देशों के बीच संस्थागत द्विपक्षीय तंत्र के तहत कई आदान-प्रदान और बैठकें हुई हैं।''

आगामी चुनावों के कारण केरल सरकार ने सबरी रेल के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू किया : अश्विनी वैष्णव

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि केरल सरकार ने आगामी चुनावों को देखते हुए अंगमाली-सबरी रेल लाइन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की है।

शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वैष्णव ने बताया कि रेल लाइन के संबंध में मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और राज्य सरकार से कई बार संपर्क किया गया था।

विज्ञप्ति में केंद्रीय रेल मंत्री के हवाले से कहा गया है, लगातार आग्रह के बाद अंततः केरल के मुख्यमंत्री ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की। आगामी चुनावों को देखते हुए यह कदम उठाया गया।

विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि मंत्री ने उम्मीद जताई कि चुनाव के बाद भी भूमि अधिग्रहण जारी रहेगा और उन्होंने आश्वासन दिया कि जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) केरल में सरकार बनाएगा, तो वह परियोजना को आगे बढ़ाने का पूरा प्रयास करेगी।

राज्य सरकार ने बुधवार को कहा था कि वह लंबे समय से लंबित अंगमाली-एरुमेली सबरी रेलवे परियोजना की 50 प्रतिशत लागत वहन करेगी, जिसके लिए केरल अवसंरचना निवेश निधि बोर्ड (केआईआईएफबी) के माध्यम से 1,900 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे।

सरकार ने यह भी कहा कि उसने राजस्व अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण शुरू करने का निर्देश दिया है और केंद्रीय रेल मंत्रालय को अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता के बारे में सूचित करने का निर्णय लिया है।

वर्ष 1997-98 के रेल बजट में पहली बार प्रस्तावित, 110 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना मानी जाती है।

इससे शबरिमला तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा मिलने की उम्मीद है और एर्नाकुलम, इडुक्की और पत्तनमथिट्टा जिलों के पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान समय में हिन्दू समाज को एकजुट होने की आवश्यकता : प्रवीण तोगड़िया

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ में उमड़े विभिन्न हिन्दू समुदायों के प्रतिनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हिन्दू चिंतक डॉ. प्रवीण तोगड़िया की उपस्थिति में गुरुवार को बलेपेट में खेतेश्वर भवन में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न हिन्दू समुदायों के लोगों ने भाग लिया। हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात प्रवीण तोगड़िया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हनुमानजी शक्ति, भक्ति और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं। प्रत्येक हिन्दू को अपने जीवन में मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए, इससे आत्मबल बढ़ता है और समाज व राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हिन्दू समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है। धार्मिक आस्था, संस्कार एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर अपनी भूमिका निभानी चाहिए। डॉ. तोगड़िया ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सनातन मूल्यों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रसेवा में अग्रसर हों।

हनुमान चालीसा पाठ के समय श्रद्धालुओं की भक्ति एवं अनुशासन देखते ही बनता था। अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।उपस्थित जनसमूह ने 'जय बजरंगबली एवं जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री इंद्रजीत सिंह राजगुरु, अखिल हिन्दू परिषद कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष सौंदर्याजन, राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत अध्यक्ष आनंदकुमार के साथ अनेक प्रवासी समुदायों के लोग भी उपस्थित थे। अंत में परिषद के मीडिया प्रभारी दलपतसिंह भायल ने धन्यवाद दिया।

पिकलबॉल टूर्नामेंट 'पिकल पावर प्ले' के अभ्यास सत्र में महिलाओं ने बहाया पसीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा आगामी पिकलबॉल टूर्नामेंट 'पिकल पावर प्ले' की तैयारियों के अंतर्गत पिकलबॉल का अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साउथ लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा कि जीतो लेडीज़ विंग का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि महिलाओं को नई संभावनाओं, नए अनुभवों और नए अवसरों से जोड़ना है।

उन्होंने आगे कहा कि इन अभ्यास सत्रों ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब महिलाओं को सही मंच, सही मार्गदर्शन और सकारात्मक प्रोत्साहन मिलता है, तो वे हर चुनौती को पूरे आत्मविश्वास के साथ स्वीकार करती हैं।

इस टूर्नामेंट में किचन क्रशर्स, स्मैश क्वीन्स, पावर दिवाज़ एवं नेट निंजाज़ टीम नामक 4 टीमें भाग लेंगी तथा प्रत्येक टीम में 14 सदस्य शामिल होंगे। संयोजिका नीलम सांड ने कहा कि अभ्यास सत्र केवल खेल सीखने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महिलाओं ने आपसी सहयोग, अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को भी प्रभावी ढंग से समझा। सहसंयोजिका नीतू गुलेच्छा ने बताया कि कोच गुरु एवं दिनेश के अनुभवी मार्गदर्शन में 56 प्रतिभागियों ने अभ्यास किया।

आउवा मंडल की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आउवा मंडल की वार्षिक संगोष्ठी गुरुवार को आशापुरा धाम पर हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ माताजी के दर्शन, पूजा, आराधना व भजनों के सामूहिक संगान के साथ हुआ। मंडल की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। मंत्री पिंकी रायसोनी ने गत दो वर्षों की मंडल रिपोर्ट प्रस्तुत की, वहीं कोषाध्यक्ष शंखेश्वरी बरलोटा ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान मंडल के भविष्य, विकास एवं संगठनात्मक मजबूती को लेकर चर्चा-परिचर्चा हुई। संगोष्ठी के अंत में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें मंजु चण्डालिया को अध्यक्ष, मधु पावेचा को उपाध्यक्ष, हर्षा चोपड़ा को मंत्री, सविता पोरवाल को सहमंत्री एव राखी सुंदेशामुथा को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। पूर्व मंत्री बिन्दु रायसोनी ने संचालन किया।

गुजरात के गवर्नर आचार्य देवव्रत और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने श्रीलंका में श्रीलंका के प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/RNI No. 58061/93.